● वर्ष-4
● अंक-26
रायपुर, शनिवार
07 सितंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› नींद की कमी से होता है थायराइड..

भाजपा का वादा, आतंकवाद का सफाया

जम्मू-कश्मीर घोषणा पत्र जारी, हिंदू मंदिरों का पुनर्निर्माण, कश्मीरी पंडितों की वापसी

नई दिल्ली। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 के लिए आज अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने इसे जारी किया। आतंकवाद के सफाए और हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण से लेकर कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित वापसी और पुनर्वास तक, भाजपा ने अपने घोषणापत्र में कई प्रमुख वादे किए हैं। अमित शाह ने कहा कि यह क्षेत्र में विकास, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पार्टी के वादों और योजनाओं के अनुरूप है।

नए जम्मू और कश्मीर% के लिए 25 वादों में से, भाजपा ने जम्मू और कश्मीर को राष्ट्र के विकास और प्रगति में अग्रणी बनाने के लिए आतंकवाद और अलगाववाद को खत्म करने की कसम खाई। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में सत्ता में आने पर %मां सम्मान योजना% के तहत प्रत्येक परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला को प्रति वर्ष ?18,000 देने का वादा किया है। गृह मंत्री ने क्षेत्र में आतंकवाद के उद्भव में शामिल लोगों की जिम्मेदारी तय करने के लिए एक श्वेत पत्र लाने का भी वादा किया।

भाजपा के 25-सूत्री घोषणापत्र के अनुसार, दूरदराज के इलाकों में छात्रों को टैबलेट या लैपटॉप मिलेंगे, जबकि कॉलेज के छात्रों को प्रगति शिक्षा योजना के तहत ?3,000 वार्षिक

यात्रा भत्ते का लाभ मिलेगा। जम्मू शहर में आईटी के लिए एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड), श्रीनगर में एक मनोरंजन पार्क और आधुनिक पर्यटन स्थलों के रूप में गुलमर्ग और पहलगाम का विकास केंद्र शासित प्रदेश में आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे के विकास के प्रमुख तत्व होंगे। पार्टी का लक्ष्य जम्मू में तवी रिवरफ्रंट को विकसित करना है, जो अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर बनाया गया है, और श्रीनगर में डल झील के आसपास जल खेल और पर्यटन को बढ़ावा देना है। छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए, भाजपा ने भूमि पहुंच, उपयोगिता सेवाओं और पट्टे के कामों से संबंधित मौजूदा मुद्दों को हल करने का वादा किया है। इन उपायों से स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलने और आर्थिक विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है। घोषणापत्र में बकाया बिजली और पानी के बिलों से राहत, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मुफ्त बिजली और %हर घर नल से जल% योजना के माध्यम से पीने का पानी देने का वादा किया गया है। इसके अलावा, भाजपा ने कमजोर समूहों के लिए सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने के लिए बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांगों के लिए पेंशन को रु. 1,000 से बढ़ाकर रु. 3,000 करने का वादा किया है। भाजपा का लक्ष्य आयुष्मान भारत सेहत योजना का विस्तार करना, कवरेज में अतिरिक्त रु. 2 लाख की वृद्धि करना और सरकारी कॉलेजों में 1,000 नई मेडिकल सीटें जोड़ने का वादा करना है, जो किफायती स्वास्थ्य देखभाल के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भाजपा ने किसानों को समर्थन देने के लिए विभिन्न उपायों की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें पीएम किसान सम्मान निधि भुगतान को रु. 4,000 तक बढ़ाना, कुल वार्षिक लाभ को रु. 10,000 तक लाना शामिल है। कृषि गतिविधियों के लिए बिजली दरों में 50% तक की कमी की जाएगी. और घोषणापत्र में हर सुरंग तेज पहल योजना के तहत 10,000 किलोमीटर नई ग्रामीण सड़कें बनाने की योजना शामिल है.

शेयर बाजार धड़ाम

बड़ी गिरावट से 5 लाख करोड़ डूबे

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के बाद सेंसेक्स 1,017.23 (1.23%) अंक टूटकर 81,183.93 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 292.95 (1.17%) अंक फिसलकर 24,852.15 के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका में रोजगार के आंकड़े आने से पहले निवेशकों में बेचैनी दिखी। अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती के आकार और गति को निर्धारित कर सकते हैं। ऐसे में इससे आने वाले

समय में बाजार का रुझान तय होगा। सेंसेक्स शुक्रवार को 1100 अंकों तक टूटा- वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच घरेलू शेयर बाजार के भी सभी क्षेत्रों में बिकवाली देखी गई। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के दौरान बीएसई सेंसेक्स 81,200 से नीचे फिसलकर 1,100 अंक से अधिक नीचे पहुंच गया। इस बीच, निफ्टी 50 भी 24,900 अंक से नीचे फिसल गया। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के बाद बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5.3 लाख करोड़ रुपये घटकर 460.35 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, इंफोसिस, आईटीसी, एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट से इंडेक्स धड़ाम हो गया। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी पीएसयू बैंक और ऑयल व गैस इंडेक्स में 2% से अधिक की गिरावट आई। वहीं, ऑटो, बैंक, मीडिया, मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर 1% से तक टूटे।

अपने लखनऊ दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने शहर के खाटू श्याम मंदिर में पूजा-अर्चना की।

आप भगवान हैं या नहीं, ये खुद नहीं लोगों को तय करने दें: मोहन

नई दिल्ली। भागवत ने कहा कि लोगों में स्वधर्म की भावना व्याप्त है। हम भारत के हैं, यह भावना मजबूत होती जा रही है। मणिपुर जैसे राज्यों में आज जो अशांति हम देख रहे हैं, वह कुछ लोगों का काम है जो प्रगति के मार्ग में बाधाएं उत्पन्न करना चाहते हैं। लेकिन उनकी योजना सफल नहीं होगी। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब 40 साल पहले स्थिति बदतर थी, तब लोग वहीं रुके, काम किया और स्थिति को बदलने में मदद की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने पुणे में एक कार्यक्रम में कहा कि आप भगवान हैं या नहीं, यह लोगों को तय करने दें। हमें यह प्रचार नहीं करना चाहिए कि हम भगवान बन गए हैं। आरएसएस प्रमुख ने 1971 में मणिपुर में भैयाजी के नाम से मशहूर शंकर दिनकर केन के काम की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। भागवत ने कहा कि कुछ लोग सोचते हैं कि हमें शांत रहने के बजाय बिजली की तरह चमकना चाहिए। लेकिन बिजली गिरने के बाद पहले से भी ज्यादा अंधेरा हो जाता है। इसलिए कार्यकर्ताओं को दीये की तरह जलना चाहिए और जरूरत पड़ने पर चमकना चाहिए। शंकर दिनकर काणे ने 1971 तक मणिपुर में बच्चों की शिक्षा के लिए काम किया। वह छात्रों को महाराष्ट्र भी लाए और उनके रहने की व्यवस्था की। संघर्षग्रस्त मणिपुर की मौजूदा स्थिति के बारे में बोलते हुए, भागवत ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियाँ कठिन और चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी,

आरएसएस के स्वयंसेवक पूर्वोत्तर राज्य में मजबूती से तैनात हैं.

जहां दो समुदायों के बीच संघर्ष में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

भागवत ने कहा कि लोगों में स्वधर्म की भावना व्याप्त है। हम भारत के हैं, यह भावना मजबूत होती जा रही है। मणिपुर जैसे राज्यों में आज जो अशांति हम देख रहे हैं, वह कुछ लोगों का काम है जो प्रगति के मार्ग में बाधाएं उत्पन्न करना चाहते हैं। लेकिन उनकी योजना सफल नहीं होगी। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब 40 साल पहले स्थिति बदतर थी, तब लोग वहीं रुके, काम किया और स्थिति को बदलने में मदद की। उन्होंने कहा कि संघ के सदस्य, चाहे वे स्वयंसेवक हों या प्रचारक, वहां गए, उस क्षेत्र का हिस्सा बन गए और परिवर्तन लाने के लिए काम किया। भागवत ने कहा कि जिस भारत का सपना देखा गया है, उसे साकार करने में दो और पीढ़ियां लगेंगी। उन्होंने कहा कि इस रास्ते में हमें उन लोगों की ओर से बाधाओं का सामना करना पड़ेगा जो भारत के उत्थान से ईर्ष्या करते हैं। लेकिन हमें इन बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ना होगा।

प्रमुख समाचार

अगर आजादी के समय सभी मुसलमानों को पाकिस्तान...

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को बरेली के मौलाना तौकीर रजा के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि वक्फ बिल 2024 के विरोध में मुसलमान सड़कों पर उतरेंगे और दिल्ली को घेरेंगे और कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है। उन्होंने कहा कि अगर आजादी के समय सभी मुसलमानों को पाकिस्तान भेज दिया गया होता तो तौकीर रजा पैदा नहीं होते। गिरिराज सिंह ने कहा कि इन लोगों ने जानबूझकर तुष्टिकरण के लिए भारत में नफरत फैलाई है। भाजपा नेता ने कहा कि तौकीर रजा आज पैदा नहीं होते, अगर आजादी के समय राजनेताओं ने सभी मुसलमानों को पाकिस्तान भेज दिया होता। उन्होंने कहा कि तौकीर रजा, क्या आपने आरएसएस की आलोचना करते समय सोचा है कि भारत के हिंदू चूड़ियां पहन कर बैठे हैं? इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। एक अन्य घटनाक्रम में उन्होंने कहा कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए दिल्ली सहित भारत के विभिन्न स्थानों में फैल रहे हैं। गिरिराज सिंह ने कि वे धीरे-धीरे उत्तराखंड और हिमाचल जैसे क्षेत्रों में बस रहे हैं, पीएफआई इस बस्ती का आयोजन कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा कब: कांग्रेस

नई दिल्ली। एक्स पर जयराम रमेश ने लिखा कि स्वयंभू चाणक्य आज जम्मू-कश्मीर में हैं। 2018 में पीडीपी-भाजपा सरकार के पतन के बाद से, जम्मू और कश्मीर को मुख्य रूप से गृह मंत्रालय द्वारा प्रशासित किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को अमित शाह के जम्मू-कश्मीर दौरे को लेकर सवाल उठाए। शाह को स्वयंभू चाणक्य बताते हुए रमेश ने 2018 में पीडीपी-भाजपा सरकार के पतन के बाद से क्षेत्र को संभालने के गृह मंत्री की आलोचना की। उन्होंने शासन पर शाह के रिकॉर्ड पर सवाल उठाते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि तब से जम्मू-कश्मीर को बड़े पैमाने पर गृह मंत्रालय द्वारा प्रशासित किया गया है। जयराम रमेश ने अमित शाह से चार सवाल भी पूछे हैं। एक्स पर जयराम रमेश ने लिखा कि स्वयंभू चाणक्य आज जम्मू-कश्मीर में हैं। 2018 में पीडीपी-भाजपा सरकार के पतन के बाद से, जम्मू और कश्मीर को मुख्य रूप से गृह मंत्रालय द्वारा प्रशासित किया गया है। चार प्रश्न जिनका उत्तर स्वघोषित चाणक्य को अपने शासन के बारे में देना चाहिए।

कोलकाता मर्डर केस: दो आदेशों को साझा कर भाजपा ने किया नया दावा

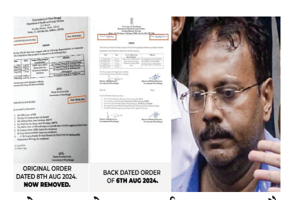

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बलात्कार और हत्या मामले में बड़े खुलासे का पर्दाफाश हुआ है। 10 अगस्त 2024 को चेस्ट विभाग की मरम्मत और नवीनीकरण का आदेश देने वाले डॉ. संदीप घोष के पत्र के प्रकाश में आने के बाद, यहां बड़े पैमाने पर लीपापोती का एक और उदाहरण सामने आया है। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल सरकार के दो आदेशों की कहानी साझा की है। बीजेपी मीडिया सेल के हेड ने दावा किया है कि मूल दिनांक 8 अगस्त 2024 को अब हटा दिया गया है। नया आदेश 6 अगस्त 2024 को वापस दिया गया। मूल आदेश (8 अगस्त 2024 का) रेड रोड पर स्वतंत्रता दिवस परेड रिहर्सल के लिए प्रशासनिक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उचित तैनाती का है, जिस पर पश्चिम बंगाल सरकार के एक उप सचिव द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। आदेश में वरिष्ठ डॉक्टरों, जो वर्तमान में प्रशासनिक पदों पर हैं, को 9 अगस्त को सुबह 5:30 बजे एसएसकेएम अस्पताल में रिपोर्ट करने की आवश्यकता है। दिलचस्प बात यह है कि, अब एक

नाराज हुए भूपिंदर सिंह हुड्डा, कांग्रेस पर कहीं पड़ न जाए भारी

नई दिल्ली। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान हो गया है। राज्य में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। हालांकि, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) हरियाणा में गठबंधन के लिए बातचीत चल रही है। यही कारण है कि उम्मीदवारों की घोषणा में देरी की आशंका जताई जा रही है। गुरुवार को नामांकन पत्र दाखिल करना शुरू हो गया और 12 सितंबर आखिरी तारीख है। भाजपा ने बुधवार को 67 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा कर दी है। इंडिया ब्लॉक के हिस्से के रूप में, आप कांग्रेस से 10 सीटें मांग रही है, जिस पर वह सहमत नहीं है। इन सब के बीच बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के पक्ष में नहीं हैं। कथित तौर पर उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के समक्ष भी अपना विचार व्यक्त किया है। हरियाणा में लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन था, जहां कांग्रेस ने उसे कुरुक्षेत्र सीट की पेशकश की थी। हालांकि, आप के सुशील गुप्ता बीजेपी के नवीन जिंदल से 29,021 वोटों से हार गए।

शांति स्थापना के लिए कमांडर्स को रहना होगा युद्ध के लिए तैयार

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को अपने पहले के बयान का जवाब दिया कि सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने वो बयान इसलिए दिया ताकि किसी भी हालत में भारत की शांति भंग न हो सके। भारत के वसुधैव कुटुंबकम के संदेश पर प्रकाश डालते हुए सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है लेकिन आज की भू-राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत और दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए भारत को हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र देश है जिसने वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया है। भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है और हमेशा करेगा। लेकिन आज भूराजनीतिक स्थिति को देखते हुए, मैंने कहा सेना से कहा कि भारत और विश्व में शांति बनाए रखने के लिए हमें हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि किसी भी परिस्थिति में भारत की शांति भंग न हो।

वर्ण व्यवस्था बनाम जाति प्रथा, जाति के लोगों का उत्थान नहीं केवल राजनैतिक लाभ लेना है

चन्द्र शेखर गंगराड़े

किसी भी शासन व्यवस्था में कार्यों को सुचारू रूप से संपादित करने के लिए कार्यों का वर्गीकरण किया जाता है ताकि सभी कार्य अपनी-अपनी जगह सुविधाजनक तरीके से संचालित होते रहें. इसीलिए प्राचीन काल में कार्यों का वर्गीकरण कार्य की महत्ता को देखते हुए चार भागों ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र में किया गया. यह व्यवस्था वैदिक काल से प्रचलन में थी और इसे वर्ण व्यवस्था का नाम दिया गया था. ऋग्वेद में भी इस वर्ण व्यवस्था का उल्लेख है और वर्तमान में भी संविधान में जातियों को तीन भागों में उनकी सामाजिक, आर्थिक क्षमता के आधार पर विभाजित किया गया है जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं सवर्ण हैं. वर्ष 1990 में मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर अन्य पिछड़ी जातियों को भी सवर्ण से पृथक कर एक और विभाजन किया गया. इस प्रकार जातियों को चार वर्गों में विभाजित किया गया. वर्गीकरण की यही प्रक्रिया अन्य मामलों में भी अपनाई जाती है. शासकीय सेवकों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है और इन श्रेणियों में पदक्रम अनुसार अनेक छोटे और बड़े पदों का निर्माण किया जाता है ताकि एक पिरामिड के रूप में प्रशासनिक व्यवस्था कुशलतापूर्वक संचालित हो सके.

आजकल जाति की बहुत चर्चा हो रही है. कई राजनैतिक दल जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं और इसके पीछे उन जातियों का या उस जाति के लोगों का उत्थान शायद उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना राजनैतिक लाभ लेने का है. अब तो मिस इंडिया में कौन-कौन विजेता, किस जति की है और बजट बनाने में किस-किस जाति के अधिकारी शामिल हैं, इस पर प्रश्न उठाया जाता है. मतलब यह है कि अब योग्यता से अधिक जाति महत्वपूर्ण हो गई है. जातिगत जनगणना के पीछे उस जाति के सभी लोगों के उत्थान की बात होती तो शायद सभी लोग ख़ास कर जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग में शामिल जातियों के पक्षधर हैं, क्रीमीलेयर या जिन्हें एक बार आरक्षण का लाभ मिल चुका है, उन्हें आरक्षण का लाभ न मिले, इस बाबत् पहल करते ताकि सभी को समान अवसर मिल सकें.

मनु, जिन्होंने मनुस्मृति लिखी, उनका ही सबसे अधिक विरोध जाति व्यवस्था के पक्षधर करते हैं जबकि मनु ने तो कहा था कि जन्मना जायते शूद्र: कर्मणा द्विज उच्यते अर्थात् जन्म से तो सभी मनुष्य शूद्र ही पैदा होते हैं, कर्म एवं योग्यता के आधार पर वह द्विज(ब्राह्मण), वैश्य या क्षत्रिय बनता है और योग्यता के आधार पर ऐसे कई लोग राजा रहे हैं जो वर्तमान में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या पिछड़ा वर्ग में आते हैं. यदि भूतकाल में ये जातियां उपेक्षित या पिछड़ी होती तो उन समुदायों के लोग राजा-महाराजा नहीं होते अर्थात् वे योग्यता के आधार पर राजा बने थे न कि आरक्षण के आधार पर. स्वयं श्री कृष्ण यदुवंशी थे, वे द्वारकाधीश भी थे और जिन्हें हम सभी लोग आराध्य मानकार पूजते हैं लेकिन आज यादव जाति अपने आपको पिछड़ी जाति कहती है.

यदि यह माना भी जाये कि पूर्व में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति में शामिल जातियां विभिन्न कारणों से उपेक्षित रहीं और उन कारणों से सामाजिक, आर्थिक रूप से पिछड़ी भी रहीं तो इसमें सामान्य वर्ग में शामिल जातियों का क्या दोष है क्या वर्तमान में जिन लोगों का जन्म ब्राह्मण, क्षत्रिय या वैश्य समुदाय में हुआ है उसके लिए वे दोषी हैं वर्तमान में जाति योग्यता पर हावी है, चुनाव में टिकट देना हो, मंत्री बनाना हो, मुख्यमंत्री बनाना हो, यही देखा जाता है कि कौन, किस जाति का है और उसकी जाति के कितने प्रतिशत वोट हैं. आज सवर्णों, ब्राह्मणों, वैश्यों के वोट तो किसी पार्टी को चाहिए ही नहीं होते, इसलिए उनके हितों की रक्षा की बात कोई पार्टी नहीं करती और फिर भी, वे चूंकि देश से प्रेम करते हैं, इसलिए अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन बिना किसी सरकारी सुख-सुविधा के करते रहते हैं. आज सबसे ज्यादा आक्रमण अडाणी-अंबानी पर हो रहा है. हमें तो खुश होना चाहिए कि भारत के दो व्यक्ति वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाये हुए हैं और लाखों-करोड़ों लोगों को रोजगार मुहैया कराने का माध्यम बने हुए हैं और सरकार को करोड़ों का राजस्व दे रहे हैं जिसे सरकार इन जातियों के कल्याण पर खर्च करती है। बड़ी विडम्बना यह भी है कि जब पूर्व में समाज को चार वर्णों में वर्गीकृत किया गया था तो इसके लिए मनु की आलोचना की जाती है और उनके समर्थकों को मुनवादी सोच की संज्ञा दी जाती है. लेकिन आज तो समाज को जातियों में बांटने की बात करना फैशन हो गया है और ऐसे में यदि कोई सामान्य, ब्राह्मण क्षत्रिय या वैश्य समाज के हित में आवाज उठाये तो उन्हें जातिवादी कहकर तिरस्कृत किया जाता है. वस्तुत: जातियां भी, वर्ण व्यवस्था से ही उपजी हैं क्योंकि जो समाज जिस काम को कर रहा था उनकी उत्पन्न होने वाली संतानें भी वही कार्य करने लगी अर्थात् जिसका जैसा कर्म और स्वभाव है, उसी के अनुसार उसका वर्ण निर्धारित होता है. यानी राजा का बेटा तभी राजा होगा, जब उसमें राजा के समान योग्यता होगी.

आखिर ये सब कब तक चलेगा यदि 77 वर्षों में भी हम उन जातियों के सभी लोगों का उत्थान नहीं कर पाये, तो आखिर और कितने वर्ष उन लोगों को बराबरी पर लाने में लगेंगे और कहीं ऐसा न हो कि यह खाई और बढ़ती जाये. जिस प्रकार पहले उपेक्षा के कारण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति में शामिल जातियां पिछड़ती गईं, वैसा विभाजन फिर से न हो जाये और जब डॉक्टर जाति देखकर इलाज नहीं करता तो जाति देखकर मेडिकल कॉलेज में एडमिशन क्यों दिया जाता है

प्रदेश में टला बड़ा हादसा, पुलिस ने बरामद किए कुकर बम

कोंडागांव में नक्सलियों की थी बड़ी प्लानिंग, पुलिस और बीडीएस ने 6 प्रेशर कुकर बम किए डिफ्यूज, हुआ बड़ा धमाका

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ में नक्सली के खिलाफ अभियान में तेजी आई है। बस्तर संभाग के सभी नक्स प्रभावित जिलों में जवानों ने सर्चिंग ऑपरेशन तेज कर दिया है। कोंडागांव में सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों को बड़ी कामयाबी मिली। जवानों ने 6 प्रेशर कुकर बम बरामद किए। जिन्हें कोंडागांव पुलिस और बम डिस्पोजल टीम ने बड़ी दुर्घटना टालते हुए सभी आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। घटना 5 सितंबर 2024 को नक्सल प्रभावित थाना धनोरा-माडगांव क्षेत्र की है।

कोंडागांव पुलिस ने बरामद किए 6 प्रेशर कुकर बम

पुलिस की टीम एसडीओपी फरसगांव अनिल विश्वकर्मा के नेतृत्व में सर्च अभियान चला रही थी। सर्चिंग के दौरान बमों की मौजूदगी का पता चला। जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक वाय। अक्षय कुमार को दी गई। एसपी के निर्देश पर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपेश कुमार डांडे के मार्गदर्शन में बम डिस्पोजल टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया। बीडीएस टीम ने सावधानीपूर्वक सभी बमों को निष्क्रिय करते हुए मौके पर विस्फोट कर उन्हें नष्ट कर दिया।

फरसगांव एसडीओपी अनिल विश्वकर्मा ने बताया-धनोरा क्षेत्र के माडगांव में जवानों की टीम गश्त के लिए निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों के लगाए गए 6 प्रेशर कुकर आईईडी, जिसमें 3 आईईडी चार किलोग्राम वजन के और 3 आईईडी तीन किलोग्राम के मिले। बीडीएस टीम कोंडागांव ने मौके पर ही सभी आईईडी को नष्ट कर दिया।

नारायणपुर में 5 लाख इनामी नक्सल कमांडर ने पत्नी के साथ किया सरेंडर

नारायणपुर। नारायणपुर पुलिस के प्रयास व शासन की नीतियों से प्रभावित होकर प्रतिबंधित माओवादी संगठन कुतुल एरिया कमेटी के 2 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। सप्लाई टीम कमाण्डर के पद पर 13 साल से काम कर रहे सोनवा उर्फ डोसेल सलाम है। उसकी पत्नी आरती सलाम कोडलियार जनताना सरकार स्कूल विभाग में सदस्य के पद पर 9 साल से काम कर रही थी। दोनों ग्राम ऐनमेटा थाना नारायणपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं।

नक्सल दंपति ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोबिनसन गुड़िया और डॉ। प्रशांत देवांगन उप पुलिस अधीक्षक नारायणपुर के सामने बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की नक्सल उन्मूलन नीति के तहत 25-25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि का चेक दिया गया।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में साल 2024 में अब तक 34 बड़े और मध्यम कैडरों के माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में मार गिराया है। जिसमें एसजेडसी, कम्पनी नम्बर 01, कम्पनी नम्बर 06, कम्पनी नम्बर 05 और डीवीसीएम/एसीएम रेंक और एरिया कमेटी स्तर के नक्सली शामिल है। नारायणपुर में इस साल अब तक कुल 7 माओवादियों ने सरेंडर किया है। पुलिस अधीक्षक नारायणपुर प्रभात कुमार ने नक्सल संगठन से जुड़े ग्राम स्तर/पंचायत स्तर/एरिया स्तर के लोकल कैडर्स से भयमुक्त होकर आत्मसमर्पण करने और शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

खनन में प्रतिबंध की आड़ में घाट से रोज रात को चलता है रेत चोरी का खेल

गरियाबंद। गरियाबंद में नेशनल हाइवे 130 सी से लगे मोहेरा घाट में रात में रेत चोरी का बड़ा खेल चल रहा है। रात के 11 से 12 बजे के बीच पैरी नदी के धमतरी जिले के छोर से पोकलेन मशीन लगती है। हाइवा कतारबद्ध होकर मोहरा घाट में बारी-बारी से लगती है। पूल के एप्रोच से खदान तक जाने कच्ची सड़क भी बनाई गई है। मौसम साफ रहा सड़क सुखी रही तो रात भर हाइवा रेत का अवैध परिवहन करती है। बारिश हुई तो परिवहन रुक जाता है। इसे भी पढ़ें = नगर पंचायत सीएमओ ने उपाध्यक्ष और पार्षदों पर लगाया अभद्रता और मारपीट की कोशिश का आरोप

शुक्रवार दोपहर तक दुर्ग पासिंग की 8 हाइवा आ चुकी थी, सभी एक ही ट्रांसपोर्ट कंपनी की थी। देर रात तक इसकी संख्या 20 से ज्यादा हो जाती है। इस घाट पर धमतरी जिले के कुरूद ब्लॉक का एक नामी और प्रभावशाली ठेकेदार अवैध खनन करवा रहा है। राजिम के महानदी में हथखोज घाट में भी रात के अंधेरे में रेत का अवैध खनन हो रहा है। इस घाट पर भंडारण की अनुमति दी गई है। इसी अनुमति के आड़ में आधा से ज्यादा वाहन बगैर भंडारण पर्ची के सीधे घाट से लोड हो रहे हैं। यहां रायपुर-महासमुंद के दो प्रभावशाली ठेकेदार की जुगलबंदी इस खदान पर काम कर रहा है।

एनजीटी के नियम के मुताबिक, 30 सितंबर तक खदानों में खनन पर प्रतिबंध है, जिसका फायदा माफिया उठा रहे हैं। सेटिंग के पीछे ज्यादा खर्च का हवाला देकर आम दिनों में 4 हजार प्रति हाइवा के हिसाब से बेचे जाने वाले रेत अब 12 हजार में बेच रहे हैं। वहीं सप्लायर इसे दुगुनी कीमत यानी 24 से 25 हजार में डिलवरी दे रहे हैं। सेटिंग और सुविधा शुल्क पर आम दिनों की तरह ही खर्च किया जाता है। खनन कराने वाले को एक ट्रिप लोड कराने में कमीशन सहित महज 3 हजार का खर्च पड़ता है, जबकि प्रति हाइवा कमाई रोज 9 से 10 हजार है।

मामले में जिला माइनिंग अधिकारी फागूराम नागेश ने कहा कि जब-जब अवैध खनन की सूचना मिली है, बल सहित छापेमारी करने जाते हैं। लेकिन हमारे जाने से पहले भाग जाते हैं। मोहेरा और हथखोज दोनों जगह कार्रवाई के लिए जा चुके हैं।

बंदूक की नोक पर सराफा व्यापारी से लूट, सोने-चांदी के जेवरों के साथ नगद लेकर लुटेरे हुए फरार

बलौदाबाजार। सिमगा थाना क्षेत्र अंतर्गत लिमतरा चौकी क्षेत्र के लिमतरा-भाटापारा रोड में ग्राम देवरीडीह तिराहा के पास एक सराफा व्यापारी के साथ लुटेरों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। बंदूक की नोक पर लुटेरों ने सराफा व्यापारी के पास रखे सोने-चांदी के गहने और नगदी लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सिमगा पुलिस, लिमतरा पुलिस व भाटापारा पुलिस की संयुक्त टीम अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, न्यू आदर्श कालोनी, भाटापारा निवासी नुतेश पिता खेमलाल सोनी (39 साल) नांदघाट में आयुष ज्वेलर्स नाम से सराफा दुकान चलाया है। शाम को दुकान बंद करके वह अपनी स्कूटी ष्ट्ज़22 स्9940 से वापस भाटापारा आ रहा था, तभी शाम 7।15 बजे लगभग दो मोटरसाइकिल में हेलमेट पहने 4 लोगों ने व्यापारी को चिल्लाकर कर रोका, फिर उन्हीं में से दो व्यक्ति पास आए और अपने हाथ में रखे गन से फायर किए।

इसके बाद चारों व्यक्तियों द्वारा प्रार्थी के पास एक थैला में रखे 20 ग्राम सोने का फुल्ली, 4 किलोग्राम चांदी एवं आभूषण नगदी रकम रु. 60,000 सहित कुल रु. 3,25,000 का सामान लूट कर फरार हो गए। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सिमगा में अपराध क्र। 340/2024 धारा 309(4) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया है। जिसके बाद पुलिस कर अज्ञात आरोपियों के संबंध में पता तलाश कर रही है।

घटना के संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेम सागर सिदार ने बताया कि बीती रात लिमतरा चौकी अंतर्गत ज्वेलर्स व्यापारी के साथ लूट की घटना हुई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बता दे कि इस मार्ग में पहले भी ग्राम रोहरा में सराफा व्यापारी से लूट हुई थी, जिसमें आज तक बलौदाबाजार भाटापारा पुलिस आरोपियों को नहीं पकड़ पाई है। देखना अब यह है कि इस घटना पर पुलिस कितनी जल्दी आरोपियों को पकड़ पाती है।

महिला समिति ने बोला धावा, अवैध महुआ शराब के अड्डों पर की तोड़फोड़

■ आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

कोरबा। कोरबा के छुरी क्षेत्र के ग्राम पंचायत लोथलोता में महिला समिति ने अवैध रूप से चल रहे महुआ शराब के भट्टियों और ठिकानों पर तोड़फोड़ की। यह कार्रवाई तब की गई। जब महिलाओं ने शराब बनाने वाले लोगों को मौके पर देखा और वे फरार हो गए। इस घटना की सूचना तुरंत आबकारी विभाग को दी गई, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर महिला समिति के साथ मिलकर तोड़फोड़ की और शराब बनाने के उपकरणों को जब्त किया।

लोथलोता गांव की सरपंच ज्ञानेश्वरी कंवर ने बताया कि नदी किनारे के जंगल में लंबे समय से अवैध शराब भट्टी संचालित हो रही थी, जिससे गांव का माहौल खराब हो गया था। शराब की बिक्री और पीने की वजह से गांव में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि स्कूल के बच्चे भी शराब पीकर स्कूल जाने लगे। इस पर शिक्षकों ने पालकों और गांव वालों को शिकायत की और गांव में बैठक कर अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने का निर्णय लिया।

गांव की निवासी मिलन बाई ने बताया कि वह विधवा हैं और अकेले रहती हैं। शराब पीकर आने-जाने वाले लोगों के गंदे कमेंट्स से वह परेशान हैं। महुआ शराब की बिक्री के कारण आसपास के गांवों से लोग भी यहां आकर शराब पीते हैं। जिससे महिलाओं और युवतियों को घर से बाहर निकलने में कठिनाई होती है और सुरक्षा की चिंता बढ़ गई है। आबकारी विभाग के सर्किल प्रभारी सब इंस्पेक्टर नारायण सिंह कंवर ने पुष्टि की कि सरपंच द्वारा दी गई सूचना के आधार पर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और महिला समिति के साथ मिलकर महुआ लहान को नष्ट किया और शराब बनाने के उपकरणों की जब्ती की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई से गांव में अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने की उम्मीद जताई जा रही है। और स्थानीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

विधायक रेणुका सिंह ने पूरा किया अपना वादा

टॉपर छात्रा अंकिता रजक और शिफा बी को मिली स्कूटी

मनेन्द्रगढ़। टॉपर छात्रा अंकिता रजक और शिफा बी को विधायक रेणुका सिंह ने स्कूटी देकर अपना वादा पूरा किया। इस दौरान विधायक रेणुका सिंह ने छात्रों और शिक्षको के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं को उनके मनपसंद का लैपटॉप के साथ हवाई जहाज से दिल्ली भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही टॉपर स्कूल के प्राचार्य को 11 हजार रुपये पुरुस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

विधायक व पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व विधायक रेणुका सिंह ने गत वर्ष सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों व शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया। इसके साथ ही विधायक रेणुका सिंह द्वारा किए गए वादे के अनुरूप 10वीं व 12वीं कक्षा के टॉपर छात्राओं को स्कूटी की चाबी सौंपी गई। गौरतलब है कि विधायक रेणुका सिंह ने बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत के दौरान यह घोषणा की थी कि, 10वीं व

12वीं में भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में टॉपर आने वाले छात्र छात्राओं को स्कूटी या बाइक प्रदान की जाएगी।

मई में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित हुए, जिसमें दो छात्राओं न पूरे विधानसभा क्षेत्र में टॉप किया। 12वीं में विज्ञान संकाय से स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्रा अंकिता रजक ने 91.20 प्रतिशत अंक लाकर सिर्फ भरतपुर सोनहत विधानसभा में ही नहीं अविभाजित कोरिया जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, 10वीं बोर्ड परीक्षा में न्यू लाइफ इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्रा शिफा बी ने 96.50 अंक लाकर भरतपुर सोनहत विधानसभा में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

भिलाई में प्रोफेसर से मारपीट करने वाले आरोपियों पर इनाम

भिलाई। खूबचंद बघेल महाविद्यालय भिलाई-3 के सहायक प्रोफेसर विनोद शर्मा पर किए गए जानलेवा हमले में दुर्ग पुलिस ने फरार आरोपियों पर इनाम की घोषणा की है। फरार मुख्य 6 आरोपियों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने फरार आरोपियों पर इनाम की घोषणा की है। घटना 19 जुलाई 2024 की है। इस दिन भिलाई के ग्रीन वेली में रहने वाले 57 साल के सहायक प्रोफेसर विनोद शर्मा पर जानलेवा हमला किया गया। 2 बाइक में आरोपियों ने उन्हें रास्ते में रोककर पहले गाली गलौज की। फिर लाठी डंडों से उन्हें जमकर पीटा। इस मारपीट में प्रोफेसर में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उनके शरीर पर कई जगह फ्रैक्चर आया है। दिल्ली में उनका इलाज चल रहा है। प्रोफेसर पर हमले की घटना के बाद प्रार्थी हेमन्त बघेल की सूचना पर भिलाई पुलिस ने आरोपियों पर बीएनएस की धारा 109, 296, 351 (3), 3 (5) के तहत कार्रवाई की। 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आबकारी नीति पर छत्तीसगढ़ सरकार की जीत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की आबकारी नीति को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। आबकारी नीति को लेकर नार्थ ईस्ट फीड एंड एग्रो एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीड़ी गुरु की खंडपीठ में हुई। दरअसल, प्रदेश में शराब की दुकानों का संचालन और वितरण पहले 10 कंपनियों को सौंपा गया था, लेकिन राज्य सरकार ने अपनी आबकारी नीति में बदलाव करते हुए इस कार्य को स्वयं के नियंत्रण में लिया है। अब शराब के वितरण और बिक्री को अपने नियंत्रण में लेने के साथ ही राज्य सरकार ने कंपनियों से जमा की गई राशि वापस लौटा दी है और कंपनियों के लाइसेंस रद्द कर दिये हैं। नार्थ ईस्ट फीड एंड एग्रो एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ सरकार की आबकारी नीति को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की। जिसमें कहा गया था, कि राज्य सरकार से उनका अनुबंध मार्च 2025 तक है, इस अवधि से पहले उनका लाइसेंस निरस्त नहीं किया जा सकता।

बस्तर में दम तोड़ती स्वास्थ्य व्यवस्था

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर और महाराष्ट्र बॉर्डर पर स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। यह तस्वीर इन स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोलती दिख रही है। माता-पिता ने बुखार से तप रहे अपने दोनों जिगर के टुकड़ों को कंधों पर रखकर 15 किलोमीटर पैदल सफर तय किया। इसके बावजूद उनके दोनों बच्चों की समय पर इलाज और एंबुलेंस नहीं मिलने से मौत हो गई। मां-बाप बच्चों का शव लेकर 15 किलोमीटर तक पैदल चले। एंबुलेंस नहीं मिलने से वो अस्पताल तक नहीं पहुंच सके। अशिक्षा और अज्ञानता की वजह से वो जड़ी-बूटी से इलाज करवाते रहे। अपने दोनों जिगर के टुकड़ों के शव देखकर पट्टीगांव निवासी रमेश वेलादी फफक फफककर रो पड़े। छह साल के बाजीराव और तीन साल के पुत्र दिनेश का शव कंधों पर लेकर पट्टीगांव से जिमलगट्टा का सफर कीचड़ भरे रास्ते से पैदल तय किया। इलाज से पहले ही बुखार से तप रहे दोनों बच्चों ने दम तोड़ दिया। भले ही राज्य सरकार प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा होने का दावा करती हो।

नशे में धुत व्यक्ति ने अस्पताल में डॉक्टर से की बदसलूकी

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर सिविल अस्पताल में एक बार फिर डॉक्टर से बदसलूकी और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। जहां एक व्यक्ति अपनी पत्नी का इलाज कराने अस्पताल पहुंचा था। उसने नशे की हालत में अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार किया। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शख्स को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना गुरुवार रात की है। जब नशे में धुत व्यक्ति अपनी पत्नी का इलाज कराने अस्पताल पहुंचा और नाईट ड्यूटी पर लगे डॉक्टर स्टाफ से बदसलूकी और गाली गलौज करने लगा। वहीं अपनी पत्नी और बच्चों से भी मारपीट पर उतारू हो गया। डॉक्टर ने जब उसे समझाने का प्रयास किया तो डॉक्टर से भी उलझ गया। इसके बाद घटना की जानकारी डॉक्टर मनोज यादव ने वाड्रफनगर पुलिस को दी। मामले में चौकी प्रभारी डाकेस्वर सिंह ने बताया कि उक्त व्यक्ति को पुलिस चौकी लाया गया है। डॉक्टरों की शिकायत के आधार पर उक्त व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सरगुजा में आफत की बारिश, बिजली की चपेट में आईं गाय

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है।जिससे आम जन प्रभावित हो रहे हैं। बारिश के कारण की तरह की परेशानियां सामने आ रहीं हैं अंबिकापुर शहर में गुरुवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया। आबादी वाले क्षेत्र में लोग तेज करंट की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए।लेकिन दुख की बात ये है कि करंट की वजह से दो गौवंश की मौत हो गई।गुरुवार शाम को जैसे ही तेज बरिश शुरू हुई अंबिकापुर महामाया रोड में समलाया मंदिर के पास बिजली का तार टूटकर सड़क पर आ गिरा। इस तार की चपेट में दो गाय आ गईं। गरज चमक के साथ हुई बारिश का असर शहर की विद्युत व्यवस्था पर भी पड़ा है। बारिश के दौरान गाज गिरने से कई स्थानों पर विद्युत सप्लाई प्रभावित हुई। बीती रात महामाया सब स्टेशन में आने वाली 33 केवी लाइन में फाल्ट आ गया। जिसके बाद महामाया सब स्टेशन से विद्युत सप्लाई वाले क्षेत्रों में अंधेरा हो गया। विद्युत विभाग की टीम सुबह मेडिकल कॉलेज से लेकर पर्पल आर्चिड के बीच अलग अलग स्थानों पर फाल्ट खोजकर बनाया गया।

एक मैसेज से अंधेरे में गुजार रहे ग्रामीणों को मिली रोशनी

■ मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया बनी लोगों का आशा का केंद्र

जशपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आम नागरिकों की समस्याओं को लेकर बेहद ही संवेदनशील है, यही वजह है कि लोक कल्याण के कार्यों में तेजी आई है तथा तत्काल समय पर समाधान भी मिल जाता है। आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण होने से लोगों में बहुत उत्साह है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकारी अमला आम आदमी को राहत पहुंचाने पूरी तरह से सक्रिय है। दिन हो या रात समय की परवाह किए बिना समस्या का त्वरित गति से निराकरण किया जाता है। बिजली की समस्या से जूझ रहे पत्थलगांव क्षेत्र के कुछ ग्रामीण इलाकों को आधी रात को भी मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में भेजे एक

व्हाट्सऐप मैसेज से राहत मिल गई। पत्थलगांव के सुरेशपुर, बहनाटांगर, सुसडेगा, मुड़ेकेला ग्रामीण क्षेत्र में बिजली समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों द्वारा गुरुवार की दरमियानी रात को मुख्यमंत्री कार्यालय में व्हाट्सअप मेसेज के जरिये बिजली गुल रहने सम्बन्धी समस्या की जानकारी दी गयी। कैंप कार्यालय के निर्देश पर आधी रात को बिजली कर्मचारियों द्वारा क्षेत्र में बिजली सुधार कार्य करवाकर बिजली को सुचारू रूप से चालु किया गया। बगिया स्थित सीएम कैम्प कार्यालय के माध्यम से एक व्हाट्सअप मेसेज पर समाधान मिलने पर नागरिकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताया है।

बगिया स्थित सीएम कैम्प कार्यालय में अब तक जशपुर सहित अन्य जिलों के बिजली व्यवस्था, राशन व्यवस्था, स्वास्थ्य लाभ, दिव्यांग व बुजुर्ग पेंशन संबंधित एव अन्य समस्त समस्याओं के समाधान की आस लेकर पहुंचने वाले हजारों लोगों को अब तक तत्काल राहत पहुंचाई जा चुकी है। गौरतलब है की मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य के नागरिकों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के लिए ऐसी व्यवस्था बनाई है की आम नागरिक अपनी समस्या के समाधान के लिए सीएम कैम्प कार्यालय के टोल फ्री नंबर 07764-250061, 07764-250062, 07764-250068 पर घर बैठे कॉल कर सकते हैं। कॉल करने पर उनकी समस्या का समाधान के लिए तत्काल कार्यवाही की जाती है।

कोरिया के धनुहर नाले पर लगा जाम, कोयला लेकर जा रही तीन गाड़ियां आपस में टकराई

कोरिया। बिलासपुर को रायपुर से जोड़ने वाले सड़क मार्ग पर जाम लगने से घंटों ट्रक ड्राइवर परेशान रहे। शुक्रवार की सुबह खदान से कोयला लोड कर गाड़ियां धनुहर नाले के ऊपर से गुजर रही थी। इस दौरान धनुहर नाले पर तीन हाइवा गाड़ियां एक साथ टकरा गई। तीनों गाड़ियों में कोयला लोड था। कोयला लोड होने की वजह से गाड़ियों को वहां से निकालना मुश्किल हो गया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुला।

ट्रक ड्राइवरों के मुताबिक करीब दस घंटे तक जाम पुलिया पर लगा रहा। जाम के चलते पुलिया के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी लंबी कतारें लग गई। तीनों गाड़ियों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि जाम खुलवाने में पुलिस के भी पसीने छूट गए। पुलिस के मुताबिक दोपहर 2 बजे जाम खुल पाया। धनुहर नाले पर बनी पुलिया काफी संकरी है। आए दिन ट्रक ड्राइवर जल्दी निकलने के चलते हादसे का शिकार हो जाते हैं।

पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह चार बजे के करीब हुआ। हादसे के बाद खड़गंवा चिरमिरी मार्ग पर जाम लग गया। हादसे की वजह से जाम में एक एंबुलेंस भी फंसी रही। जाम हटाने में पुलिस प्रशासन के लोग घंटों पुलिया पर हालात से जूझते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन पुलिया पर इस तरह के हादसे होते रहते हैं। पुलिस को अगर और चौड़ा कर दिया जाए तो सड़क हादसों पर लगाम लग सकती है।

संक्षिप्त समाचार

प्रसव पीड़ा से कराह रही गर्भवती महिला को जवानों ने उफनती नदी कराई पार

बीजापुर। बीजापुर जिले के अलग-अलग

इलाकों में हो रही बारिश से नदी नालों का जलस्तर बढ़ गया है। इन इलाकों में आपात स्थिति के लिए प्रशासन ने नगर सेना की टीम तैनात की हुई है, जो ग्रामीणों व सरकारी अमले को लाइफ सपोर्ट बोट के जरिये नदी नालों को पार करा रही है। शुक्रवार को गंगालुर क्षेत्र के चोखनपाल की रहने वाली गर्भवती महिला चिंता वडे प्रसव पीड़ा से कराह रही थी, उसे गंगालुर स्वास्थ्य केंद्र लाया जाना था, किंतु कामनाघट में मिंगाचल नदी का जलस्तर बढ़ने से इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग ने नगर सेना को दी। सूचना के आधार पर नगर सेना की रेस्क्यू टीम को रेड्डी भेजा गया। जहां से गर्भवती महिला चिंता वडे को लाइफ सपोर्ट बोट के जरिये उफनती नदी पार कराकर महिला को गंगालुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बचाव दल में कुम्हार कृष्ण राव, जिल्युस तिर्की , कृष्णदेव चालकी , संदीप भगत, मनीराम तेलम, रामचंद्र पवार, रैन्नु मज्जी,कन्हैया दुब्बा व अरुण दुब्बा शामिल थे।

प्रदेश में होगा बस्तर ओलंपिक, स्थानीय खेलों को देंगे प्राथमिकता : टंकराम वर्मा

रायपुर। खिलाड़ियों के लिए खुशखबरी है। छत्तीसगढ़ में अब बस्तर ओलंपिक का आयोजन होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने बताया, प्रदेश में बस्तर ओलंपिक कराया जाएगा, जिसमें केंद्रीय मंत्री आएंगे। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर में भी मेडल लाए, इस स्तर पर तैयारी की जाएगी। मंत्री टंकराम ने कहा, बस्तर गया था तो वहां के खिलाड़ियों में गजब ऊर्जा है। बस्तर ओलंपिक में छत्तीसगढ़ के स्थानीय खेलों को भी प्राथमिकता दी जाएगी। खिलाड़ियों की डाइट की राशि बढ़ाई जाएगी। खिलाड़ी अच्छे से खाएंगे डाइट लेंगे तभी तो खेलेंगे। वर्मा ने कहा, पिछले कांग्रेस सरकार में खिलाड़ी उपेक्षा के शिकार हुए हैं। अधिकतर हमारे खिलाड़ी दूसरे राज्यों के लिए खेलने को मजबूर थे। अब हम उन सभी खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ के लिए खेलने के लिए कहेंगे। दूसरे राज्यों में जो सुविधा सम्मान दी जाती है वह अब छत्तीसगढ़ में भी दी जाएगी। हमने खिलाड़ियों के विकास व बेहतर के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, अभी अलंकरण समारोह कराए, जिसमें उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अवार्ड दिया गया। खिलाड़ियों को नौकरी देने के लिए कमेटी गठित की गई है। बहुत जल्द ही फ़ैसला आएगा।20

छत्तीसगढ़ को मिलने वाली है वंदेभारत लंबे समय से चल रही मांग होगी पूरी

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के रायपुर रेल मंडल को एक नई वंदेभारत ट्रेन मिल सकती है। रेलवे के वरिष्ठ सूत्रों के मुताबिक दुर्ग से विशाखापट्नम के लिए ये नई ट्रेन को पीएम मोदी हरी झंडी दिखा सकते है। रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते है हुए कहा है कि इसकी तैयारियां करने के मौखिक निर्देश दे दिए गए है। लेकिन आधिकारिक आदेश न निकलने की बात अधिकारी कह रहे है। वहीं दुर्ग रेलवे स्टेशन में भी अधिकारियोंने 12 सितंबर को इस ट्रेन के चलने की तैयारी शुरू कर दी है और सूत्रों का कहना है कि ट्रेन के रैक 10 या 11 को दुर्ग पहुंच सकते है। दुर्ग से विशाखापट्टनम जाने के लिए यह दूसरी सीधी ट्रेन होगी। अभी तक दुर्ग-विशाखापट्टनम् वाल्टेयर एक्सप्रेस ही एक ट्रेन थी, जो सीधे विशाखापट्टनम जाती थी। वहीं, वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू होने के बाद अब लोगों को दुर्ग से विशाखापट्टनम के लिए एक और नई ट्रेन मिल जाएगी। ट्रेन के स्टॉपेज की बात करें, तो यह ट्रेन दुर्ग से रायपुर रेलवे स्टेशन, लखोली, महासमुंद, खरियार-रोड, कांटा-भांजी, टिटलागढ़, सिंगापुर-रोड, रायगड़ा, पार्वतीपुरम् और विजयानगरम रेलवे स्टेशन पर रुकते हुए विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक इस ट्रेन का रख-रखाव और मेंटेनेंस का काम दुर्ग रेलवे स्टेशन के कोचिंग यार्ड में बने कंपोजिट पिट में किया जाएगा। दुर्ग में इसके लिए पूरी व्यवस्था भी कर दी गई है।

रीवा में अस्पताल के पास व होटल में शराब बेचते पकड़ाये आरोपी जेल गये

रायपुर। बुधवार को मंदिर हसौद थाना अमला ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम रीवां में दबिश दे दो अवैध शराब विक्रेताओं को शराब बेचते रंगे हाथ पकड़ा । ग्राम के ही 55 वर्षीय कलीराम साहू को सहायक उपनिरीक्षक चंद्रहास वर्मा के साथ गश्ती में निकले आरक्षकद्वय अशोक प्रधान व निहाली साहू की टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास 42 पौव्वा शराब के साथ जहां पकड़ा वहीं मानिक राम साहू को अपने गांव के भाठापारा स्थित होटल में 38 पौव्वा शराब के साथ गश्ती प्रधान आरक्षक अमित मिश्रा के साथ गये आरक्षक खिलेश्वर साहू की टीम ने दबोचा । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देश पर थाना प्रभारी सचिन सिंह के अगुवाई में निजात अभियान के तहत की जा रही कार्यवाही के दौरान दोनो एक ही दिन में सपड़ में आये । गिरफ्तार दोनों आरोपियों को अदालती आदेश पर जेल दाखिल करा दिया गया है । ज्ञातव्य हो कि कुछ दिन पूर्व ही ग्राम टेकारी के दो अवैध शराब विक्रेता अंकलेश्वर वर्मा व मिथिलेश वर्मा को शराब लाते रास्ते में ही पकड़ कर न्यायालयीन आदेश पर जेल भेज दिया गया है ।

सदस्यता अभियान के तहत उत्तर विधानसभा में पहुंचे मुख्यमंत्री साय

भाजपा ही एकमात्र ऐसा दल जिसमें एक चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री और एक गांव का साधारण व्यक्ति मुख्यमंत्री बन सकता है

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के संगठन महापर्व सदस्यता अभियान की शुरुआत शुक्रवार को मतदान केंद्रों में हुई। शुक्रवार को मतदान केंद्रों में सदस्यता अभियान की शुरुआत करने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के खम्हारडीह मंडल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के जगदलपुर मंडल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के माना कैम्प के टीटी कॉलोनी मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नेताजी सुभाष चंद्र वार्ड के मतदान क्रमांक 94 में आयोजित सदस्यता अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में संगठन के महापर्व की शुरुआत हो गई है। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। आज से बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह सदस्यता अभियान दो महीने तक चलेगा। इसके लिए पूरी रूपरेखा तैयार की गई है। सदस्यता अभियान जिला, मंडल और बूथ स्तर तक चलाया जाएगा। प्रदेश को 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है, जिसे हमें पूरा करना है। सभी कार्यकर्ताओं को इस लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग प्रदान करना है। श्री साय ने कहा कि भाजपा सिद्धांतवादी विचारधारा पर आधारित पार्टी है। इस पार्टी में जितना मान सम्मान कार्यकर्ताओं का है, उतना सम्मान किसी दूसरी पार्टी में नहीं है। भाजपा में गांव का एक साधारण व्यक्ति भी मुख्यमंत्री बन सकता है, एक चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री भाजपा ही बना सकती है। श्री साय ने कहा कि भाजपा सबसे पहले देश को मानती है, उसके बाद पार्टी को और उसके बाद परिवार को मानती है। भाजपा के आंतरिक लोकतंत्र है।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मूलमंत्र है- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। इस मूलमंत्र को मानते हुए 140 करोड़ भारतवासियों को अपना परिवार मानते हुए वे सबके लिए काम कर रहे हैं। पूरी दुनिया में भारत देश का मान सम्मान श्री मोदी ने बढ़ाया है। श्री मोदी के नेतृत्व में देश एक बार फिर विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी पर विश्वास

करते हुए यहां की जनता जनार्दन ने हमें सत्ता सौंपी और मोदी की गारंटी में जो वादे हमने किए थे, उनमें से अधिकांश वादों को हमने पूरा कर दिया है। मेरा बूथ सबसे मजबूत नारे को साकार करते हुए अपने पूरे बूथ में अधिक से अधिक लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलानी है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, जिसे पिछले 5 वर्षों से भूपेश सरकार ने रोक रखा था, उसकी स्वीकृति भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दे दी है और राज्यांश की व्यवस्था भी हमने कर ली है।

इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे और कहा भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ साथ जनता में भी भारी उत्साह है महज 2 दिनो में ही छत्तीसगढ़ में लाखो लोगो ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है।इस दौरान विधायक रायपुर उत्तर पुरंदर मिश्रा, प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, पूर्व सांसद सुनील सोनी, सच्चिदानंद उपासने,पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव अग्रवाल,छगनलाल मूंदड़ा, जिला महामंत्री सत्यम दुवा, रमेश ठाकुर, सोशल मीडिया संयोजक सोमेश पांडेय, मितुल कोठरी ,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सीमा साहू, पार्षद रोहित साहू, मंडल अध्यक्ष अनूप खेलकर आदि उपस्थित थे।

माना कैम्प में संगठन महामंत्री ने किया अभियान का शुभारंभ

भाजपा के संगठन महापर्व भाजपा सदस्यता अभियान 2024 के तहत रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के माना कैम्प के बूथ क्र.251, टीटी कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम का प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने शुभारंभ किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष, पार्षद, बूथ अध्यक्ष सहित अन्य मण्डल के पदाधिकारियों ने सदस्यता ग्रहण की। रायपुर जिला उपाध्यक्ष श्यामाप्रसाद चक्रवर्ती, माना मंडल अध्यक्ष रवींद्रसिंह ठाकुर, नगर पंचायत अध्यक्ष माना कैम्प संजय यादव, पार्षदगण, बूथ अध्यक्षगण एवं बूथ कमेटी के सदस्यगण इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

तात्यापारा से शारदा चौक तक सडक चौड़ीकरण सर्वे का काम पूरा

111 मकान व दुकान जाएंगे तोड़े

रायपुर। रायपुर के तात्यापारा से शारदा चौक तक सडक चौड़ीकरण के सर्वे का काम पूरा हो चुका है और सर्वे रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी जा रही है जिसमें 111 मकान-दुकानों को तोड़ा जाना है और इसके लिए सवा सौ करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा प्रभावितों को

दिया जाएगा। कलेक्टर गौरव सिंह ने बताया कि तात्यापारा से शारदा चौक तक चौड़ीकरण सर्वे का काम पूरा हो गया है। मुआवजा का आंकलन किया जा रहा है और फिर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

बताया जाता हैं कि राज्य सरकार ने तात्यापारा से शारदा चौक तक चौड़ीकरण के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और इसके लिए सर्वे कराने के निर्देश दिए थे। सूत्रों के मुताबिक सडक् के मध्य से दोनों तरफ 25-25 फीट चौड़ा करना प्रस्तावित है। इसके लिए नापजोख का काम पूरा हो गया है। राजस्व और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की टीम ने सर्वे कर रिपोर्ट कलेक्टर को दे दी है। कुल मिलाकर चौड़ीकरण के मार्ग में 111 मकान-दुकान और अन्य निर्माण कार्यों को हटाया जाएगा। सबसे कम 64 वर्गफीट का निर्माण है और सबसे ज्यादा 700 वर्गफीट का निर्माण है जिसे तोड़ा जाना है।

महिलाओं को सिलाई मशीन दिलवाने और रोजगार के नाम पर खाता खुलवाकर ठगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिलाओं को रोजगार दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। ठग रोजगार दिलाने के नाम पर पहले महिलाओं के नाम पर खाता खुलवाएं, इसके बाद लाखों रुपये का लेन-देन किया गया। दरअसल, कॉलोनी की महिलाओं को घर बैठे सिलाई मशीन, आचार पैकिंग जैसे कई काम की ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग पूरा होने के बाद रोजगार का अवसर दिया जाएगा। इसके लिए महिलाओं से फॉर्म भरवाए। साथ ही रजिस्ट्रेशन के नाम पर 100-100 रुपये लिया गया। पूरा मामला पुराना बस्ती थाना क्षेत्र का है।

ठग ने महिलाओं को उनके नाम पर खाता खोलवाकर पास बुक, एटीएम जैसे सभी दस्तावेज अपने पास रख लिए। इसके बाद उन खातों से पैसों का लेनदेन किया गया। इस मामले को लेकर ठगी का अहसास होने पर महिलाओं से थाना पहुंचकर शिकायत की है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। महिलाओं ने आरोप लगाया है कि शोभा ठाकुर नाम की महिला उनकी कॉलोनी में आई और खुद को नारी शक्ति संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष बताई। उन्होंने बताया कि शोभा ठाकुर

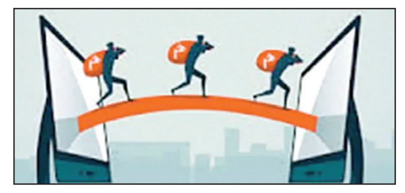

नाम की महिला कॉलोनी की सभी महिलाओं को घर बैठे सिलाई मशीन, आचार पैकिंग जैसे कई काम सिखाएगी। इसके बाद ट्रेनिंग पूरा होने पर रोजगार भी दिया जाएगा। इसे लेकर पहले फॉर्म भरवाए और 100-100 रुपये लिए। फिर बाद में सिम कार्ड के नाम पर 250-250 रुपये ले लिए। सभी महिलाओं के खाता खुलवाकर पासबुक, एटीएम और सिम कार्ड खुद अपने पास रख लिया। इसी तरह से फर्जीवाड़ा कर महिलाओं के खाता से लाखों रुपये की लेनदेन की खबर है।

इस पूरे मामले को लेकर जब मीडिया कि टीम ने पुराना बस्ती थाना के टीआई से बात कि तो उन्होंने बताया कि महिलाओं के शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया। महिलाओं के नाम पर खाता खोलवाकर उसका गलत इस्तेमाल किया गया है। मामले कि जांच जारी है।

वन विभाग ने हनुमान लंगूरों के अवैध शिकार के मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ वन विभाग ने साजा वन परिक्षेत्र के ग्राम बेलगांव में आठ हनुमान लंगूरों के अवैध शिकार के मामले में मुख्य आरोपी रामाधार को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रमुख वन बल प्रमुख श्री वी. श्रीनिवास राव तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्री सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर की गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री राव ने ऐसे मामलों में लगातार कार्यवाही के निर्देश दिए है। दुर्ग सर्किल के मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) डॉ. केनिली माचिओ एवं वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) श्री चंद्रशेखर परदेशी के नेतृत्व में राज्य उडन्दस्ता द्वारा यह कार्रवाई 5 सितंबर को की गई।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के पास से बंदूक बरामद हुई है, जिसका उपयोग 28 अगस्त 2024 को हुए इस अवैध शिकार में किया गया था। यह गिरफ्तारी धमधा की परिक्षेत्र अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी आदित्य और साजा के परिक्षेत्र अधिकारी श्री पी.आर. लसेल द्वारा की गई, जिसमें बेमेतरा के उप वनमंडलाधिकारी (एसडीओ) श्री वी.एन. दुबे और अन्य वन विभाग के अधिकारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल का एकदिवसीय बस्तर दौरा

मेकाज का किया निरीक्षण, खाने को बताया अच्छा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री का बस्तर जिले में एक दिवसीय दौरा रहा। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सबसे पहले मेडिकल कॉलेज डिमरापाल के सामने बन रहे सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। इसके बाद मेकाज पहुंचे,जहां वार्डों का निरीक्षण करने के बाद सेमिनार हॉल में मीटिंग आयोजित की गई। इस दौरान शासन की योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देने की बात भी कही।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शुक्रवार की दोपहर जगदलपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। स्वागत के बाद स्वास्थ्य मंत्री सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल पहुंचे, जहां का निरीक्षण करने के बाद वहां की व्यवस्थाओं के साथ ही नई भर्तियों के बारे में भी चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के निरीक्षण के बाद मेकाज पहुंचे, जहां सबसे पहले मुख्य द्वार में बने हॉल में मरीजों के बैठने की व्यवस्था को देखने के बाद वहां आने वाले मरीजों के लिए टीवी आदि की व्यवस्था करने के साथ ही टीवी में शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी दिखाने की बात कही।

हॉल से होते हुए दूसरे मंजिल स्थित हड्डी रोग विभाग पहुंचे, जहां मरीजों को मिलने वाले खाने को देखने के साथ ही उसकी क्वालिटी को ठीक बताया। खाना को देखने के बाद वार्ड पहुंचे, जहां हड्डी रोग विशेषज्ञ से बात करने के साथ ही ओडिसा में भर्ती मरीज से भी बात की। मरीज ने अस्पताल में सभी सुविधाएं मिलने के साथ ही डॉक्टरों के द्वारा लगातार इलाज में किसी भी प्रकार से कोई भी कोताही नहीं बरतने की बात कही। वार्ड से निकलने के बाद नर्सरी पहुंचे, जहां पूरे उपकरणों को लगाने के बाद ही नर्सरी में प्रवेश कर वहां के डॉक्टरों से चर्चा करने के साथ ही छोटे बच्चों के इलाज को भी देखा गया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस निरीक्षण के दौरान अस्पताल में बेहतर सफाई व्यवस्था को देख खुश भी हुए। वहीं, मेकाज की लिफ्ट में लगे आदिवासी प्रिंट को भी देखकर तारीफ की। इस निरीक्षण के बाद बैठक लेने के लिए सेमिनार हॉल चले गए। इस निरीक्षण के दौरान बस्तर सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण देव, विधायक विनायक गोयल, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, बस्तर कलेक्टर पी दयाराम , बस्तर एसपी शलभ सिन्हा के अलावा मेकाज अधीक्षक डॉक्टर अनुरूप साहू, डॉक्टर टी महेश, प्रशासनिक अधिकारी के अलावा स्टाफ नर्स व अन्य आला अधिकारी मौजूद थे।

मुंगेली में जल्द खुलेगा मेडिकल कॉलेज, साव ने दिलाया भरोसा

मुंगेली। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आने वाले समय में मुंगेली में मेडिकल कॉलेज खुलने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि इसकी प्रक्रिया जारी है। इस संबंध में शासन की ओर से जिला प्रशासन को स्थल चयन के लिए करीब 2 माह पूर्व पत्र भेजा गया था, जिसके लिए राजस्व विभाग की कवायत जारी है।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने अपने गृह जिला मुंगेली में प्रवास के दौरान जिला अस्पताल मुंगेली का दौरा मुआयना कर अस्पताल प्रबंधन व डॉक्टरों से उपलब्ध संसाधन एवं सुविधाओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की।

इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जिला अस्पताल में जरूरी उपकरणों एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों कती मांग की, जिसे डिप्टी सीएम ने स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर से बात कर शीघ्र पूरा करने के

निर्देश दिए। वहीं जिला अस्पताल जर्जर पहुंच मार्ग को सुधारने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय निकाय चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस के पदाधिकारियों की हुई नियुक्ति के सवाल पर कहा कि ये कांग्रेस का अंदरूनी मामला है। लेकिन एक बात निश्चित है कि कांग्रेस की देश और राज्य में दिन ब दिन स्थिति खराब हो रही है।

धान खरीदी में गड़बड़ी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार 16 लाख का घोटाला, 700 क्विंटल धान का फर्जीवाड़ा

कोंडागांव। कोण्डागांव जिले के गिरोला ग्राम के शासकीय धान खरीदी केंद्र में 706.90 क्विंटल धान की फर्जी खरीदी और 15,55,830 रुपये के गबन का मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक वाय. अक्षय कुमार के निर्देशन में कोण्डागांव पुलिस ने केंद्र के प्रभारी बालनाथ दीवान और कंप्यूटर ऑपरेटर यामिनी पुजारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है।

मामले की शुरुआत 2 सितंबर 2024 को हुई जब खाद्य विभाग की नोडल अधिकारी ललिता मरकाम ने धान खरीदी में अनियमितता की शिकायत की। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति, गिरोला में 2023-2024 के खरीफ विपणन वर्ष के दौरान 706.90 क्विंटल धान की फर्जी खरीदी का पता चला, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पाया गया कि सरकारी धन का दुरुपयोग कर कूटरचना द्वारा धान की राशि का गबन किया गया था। आरोपी बालनाथ दीवान और यामिनी पुजारी को 5 सितंबर को गिरफ्तार किया गया, जबकि प्रबंधक संतोष साहू फरार है।

मुख्य सचिव ने योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य के विभिन्न जिलों के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, राजमार्ग और खनिज तथा दूरसंचार से संबंधित परियोजनाओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सड़कों के निर्माण कार्यों सहित अन्य परियोजनाओं के लिए संबंध में भू-अर्जन, मुआवजा वितरण, वृक्षों की कटाई और वृक्षारोपण सहित अन्य कार्यों को शीघ्र करने के निर्देश संबंधित जिलें के कलेक्टर को दिए।

बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना के अंतर्गत बिलासपुर-कोरबा और जांजगीर-

चांपा जिले के अंतर्गत आने वाले बिलासपुर-उरगा मार्ग, रायपुर-दुर्ग फोर लाइन सहित अन्य कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। इसी तरह से रायपुर-विशाखापट्नम-भारतमाला परियोजना सहित अन्य सड़कों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने गेबरा पेंड्रा रोड, न्यू रेल परियोजना, तलाईपल्ली कोल परियोजना के कार्यों के सहित अन्य परियोजनाओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और उन्होंने कहा कि कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण कराने सुनिश्चित करें।

वीडियो कॉन्फ्रेंस से आयोजित इस बैठक में अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्रीमती ऋचा शर्मा, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, राजस्व विभाग के सचिव श्री अविनाश चम्पावत सहित बीएसएनएल, रेल्वे, एनटीपीसी, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग (एनएच) और कोरबा, रायगढ़, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर, दुर्ग, महासमुंद सहित अन्य जिलें के कलेक्टर शामिल हुए।

कार्यालय, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, (स्थानीय निर्वाचन) जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई, (छ.ग.)

मुद्रण कार्य के लिए निविदा सूचना

क्रमांक /20 / निर्वाचन / लेखा / 2024 — खैरागढ़, दिनांक 03/09/2024

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से **जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई,** में पंचायतों के आगामी आम चुनावों के लिए, विकासखण्डवार तैयार की गई निर्वाचक नामावली के मुद्रण हेतु मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा फार्म (जिसका कि मूल्य रूपये 100/- है) अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से किसी भी दिन, कार्यालयीन समय के दौरान प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित फार्म में भरी निविदाएं मेरे कार्यालय में दिनांक **03 अक्टुबर 2024** को अपरान्ह 3.00 बजे तक प्राप्त की जाएगी और उसी दिन उपरान्ह 4.00 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएंगी।
2. फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली मुद्रण के लिए कागज सहित दर लेजर प्रिंट, डिजिटल प्रिंट के लिए मंगवाई जावेगी।
3. निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी मेरे कार्यालय में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

कलेक्टर
जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई
वास्ते- सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग,
नवा रायपुर, अटल नगर

जी-242502272/3

पाकिस्तान एससीओ के बारे में क्या सोचता है...

मरिआना बाबर

क्या भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले माह इस्लामाबाद में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे-यह सवाल पाकिस्तान में आज चर्चा का विषय बना हुआ है। विगत 29 अगस्त को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह 15 से 16 अक्तूबर तक एससीओ के सदस्य देशों के प्रमुखों की मेजबानी करेगा। यह 2012 में हुए विकासशील देशों के सम्मेलन के बाद पाकिस्तान में पहला बड़ा सम्मेलन होगा, जिसमें शीर्ष नेता भागीदारी करेंगे। वर्ष 2001 में स्थापित राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी संगठन एससीओ के अनिवार्य शिष्टाचार के तहत सभी सदस्य देशों के प्रमुखों को बैठक में आने के लिए निमंत्रण भेज दिया गया है। रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और ईरान ने बैठक में शामिल होने के लिए अपनी सहमति भी भेज दी है। लेकिन सबकी नजरें नई दिल्ली पर टिकी हैं। अब तक भारत के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट नहीं किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मेलन को आभासी ढंग से संबोधित करेंगे या अपना प्रतिनिधि भेजेंगे। एससीओ शासनाध्यक्षों से पहले वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक होगी, जिसमें विदेश मंत्री भी शामिल होंगे। पिछले वर्ष जब एससीओ की बैठक गोवा में हुई थी, तो उसमें पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने हिस्सा लिया था। तो क्या भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस्लामाबाद आएंगे? भारत के शीर्ष नेतृत्व के पाकिस्तान दौरे को लेकर खबरों का बाजार गर्म है। पाकिस्तानी मीडिया मोदी के स्वागत को लेकर उत्साहित है, ताकि लंबे समय से द्विपक्षीय संबंधों पर जमी बर्फ पिघल सके और रिश्तों में गर्माहट आए। लेकिन विश्लेषकों को आशंका है कि भारत की ओर से कोई भी प्रतिनिधि पाकिस्तान नहीं आएगा। व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी को पाकिस्तान आकर रिश्तों की गर्मजोशी का संदेश देना चाहिए। वह तीसरी बार मुल्क के प्रधानमंत्री बने हैं और अपनी मजबूतइच्छाशक्ति दिखाकर लोगों को आश्चर्यचकित कर सकते हैं। जैसा कि वर्ष 2015 में काबुल से लौटते वक्त वह अचानक लाहौर पहुंचे थे, और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की नातिन की शादी में शरीक हुए थे। मुझे याद है, तब इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायुक्त टीसीए राघवन ने अपनी कार में पेट्रोल भरवाया, लेकिन यह सोचकर कि पांच घंटे गाड़ी चलाकर वह समय पर लाहौर एयरपोर्ट नहीं पहुंच सकते हैं, इसलिए सीधे शरीफ परिवार के पैतृक घर पहुंच गए थे। दुर्भाग्य से मोदी के नई दिल्ली लौटने के कुछ दिन बाद ही दो जनवरी, 2016 को पठानकोट एयरबेस पर पाकिस्तानी आतंकियों ने हमला कर दिया, जिसके बाद रिश्ते खराब हो गए। हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन खबरें हैं कि एससीओ की बैठक में चीन के प्रधानमंत्री आएंगे और एससीओ बैठक से अलग द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। एससीओ जैसी बैठकें भारत और पाकिस्तान के लिए इन बैठकों से इतर मिलने का एकमात्र माध्यम हैं, लेकिन दुर्भाग्य से पिछले कई वर्षों से दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय वार्ता नहीं हुई है। पिछली बार बिलावल भुट्टो जब गोवा गए भी थे, तब भी उनकी भारतीय विदेश मंत्री के साथ अलग से कोई बैठक नहीं हुई थी, जबकि जयशंकर अन्य एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों से बड़ी सहजता से मिले थे। एससीओ बैठक द्विपक्षीय मुद्दों का मंच नहीं है, लेकिन वर्ष 2015 में रूस के उफा शहर में हुए एससीओ सम्मेलन से इतर नवाज शरीफ और नरेंद्र मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई थी और दोनों ने संयुक्त बयान जारी किया था। असल में एससीओ बैठक हो या दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) सम्मेलन, हमेशा सभी की निगाहें इस पर टिकी होती हैं कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच कोई वार्ता होगी या दोनों देशों के शीर्ष नेता हाथ मिलाएंगे? याद करें, जब 2002 में काठमांडू में हुए सार्क सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ ने खड़े होकर भारत के करिश्माई राजनेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के पास जाकर हाथ मिलाया था। इस बात की दुनिया भर में सराहना हुई थी और दुनिया ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को महसूस किया था। भले ही दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व निरंतर जारी तनाव को खत्म नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि अगर एक दिन के लिए भी दोनों मुल्कों के लोगों को मौका दिया जाए, तो हजारों लोग सीमा पार कर एक-दूसरे से मिलने के लिए दौड़ पड़ेंगे, क्योंकि दोनों मुल्कों के आम लोगों में एक-दूसरे प्रति काफी सम्मान और दिलचस्पी है।

क्यों उबल रहा बलूचिस्तान

सचिन पराशर

पिछले कुछ सालों में आतंकवादी हमलों में वृद्धि से जूझ रहे बलूचिस्तान प्रांत में इस सप्ताह हमलों की एक लहर ने खलबली मचा दी जिसमें 70 से अधिक लोग मारे गए। अलगाववादी बलूच लिबरेशन आर्मी (बी.एल.ए.) द्वारा समन्वित हमले जो शायद अतीत में किसी भी हमले से अधिक व्यापक थे, ने एक बार फिर बलूच विद्रोह को सामने ला दिया है जो दशकों से पाकिस्तान के कमजोर हिस्से के रूप में गरीब बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों की उपेक्षा और शोषण से प्रेरित है।

ये हमले बलूच नेता नवाब अकबर खान बुगती की पुण्यतिथि के दिन हुए, जिनकी 18 साल पहले तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के आतंकवाद विरोधी अभियान में हत्या कर दी गई थी। बुगती की हत्या ने जनजातीय आबादी की आकांक्षाओं को संबोधित करने के किसी भी वास्तविक प्रयास के अभाव में तीव्र कार्रवाई की सीमाओं को उजागर किया क्योंकि इससे अधिक सशस्त्र अलगाववादी समूहों का उदय हुआ जो अब न केवल पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और चीनी हितों को बल्कि पंजाबी और सिंधी प्रवासी श्रमिकों को भी निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त अजय बिसारिया के अनुसार पंजाबी कार्यकर्त्ताओं को निशाना बनाना एक नया जातीय आयाम प्रस्तुत करता है जो यह संकेत देता है कि बलूच कट्टरपंथी मुख्य रूप से पंजाबी सेना को उकसाने और चुनौती देने की फिराक में हैं।

हाल ही में हुए उग्रवाद में बी.एल.ए. द्वारा मारे गए लोगों में से लगभग आधे पंजाबी मजदूर थे। बलूच लोग पंजाबियों की आमद से नाराज हैं, जिन्हें बलूच लोगों की कीमत पर बलूचिस्तान में पैदा होने वाले आर्थिक अवसरों से लाभ उठाते हुए देखा जाता है। इसने पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह और इसे बनाए रखने वाली पंजाबी विरोधी भावना को बढ़ावा दिया है। प्रांत के प्राकृतिक संसाधनों पर अपना दावा जताने और खुद को संघीय सरकार की भेदभावपूर्ण नीतियों का शिकार मानने वाले पंजाबी कर्मचारी केवल राज्य दमन का प्रतीक हैं, जैसा कि मूलत॰ पंजाबी प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है।

न्यायेत्तर हत्याएं, जबरन दिखावे, मानवाधिकार उल्लंघन और नागरिक अधिकार समूहों से जुड़ने में प्रतिष्ठान की अनिच्छा और अविश्वास को और बढ़ा दिया है। बिसारिया के अनुसार, ताजा प्रकरण सुरक्षा संकट और संभवत॰ अफगान पश्तून और बलूच विद्रोहियों के एकजुट होने का भी प्रतिनिधित्व करता है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टी.टी.पी) और बी.एल.ए. आपस में समन्वय कर रहे हैं, मिलीभगत नहीं कर रहे हैं। इस्लामाबाद ने बार-बार भारत पर अलगाववादियों को वित्तीय सहायता देने और ईरान पर उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने का आरोप लगाया है। भारत ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि ये आरोप किसी गंभीर विचार-विमर्श के लायक नहीं हैं और पाकिस्तान को आतंकवाद को अपने समर्थन पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

पाकिस्तान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में टी.टी.पी. के हमलों के अधीन है और सेना पिछले कुछ सालों से ब्लूचिस्तान में बलूच अलगाववादियों और टी.टी.पी. के बीच बढ़ते गठजोड़ को लेकर ङ्क्षचतित है, जहां पश्तूनों की अच्छी-खासी आबादी भी रहती है। टी.टी.पी. ने बलूच उग्रवादियों के हमलों का समर्थन किया है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि चीन को हमलों की निंदा करने में कोई संकोच नहीं है। चीन क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के साथ आतंकवाद विरोधी और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है। संसाधन संपन्न बलूचिस्तान, जो इसका सबसे बड़ा और सबसे पिछड़ा प्रांत है, को आर्थिक और ऊर्जा केंद्र में बदलने की पाकिस्तान की उम्मीदें 60 अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सी.पी. ई.सी.) पर टिकी हैं। हालांकि सी.पी.ई.सी. परियोजनाएं मैदानी इलाकों में हिंसक विद्रोह से प्रभावित हुई हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हालिया हमलों पर अपनी टिप्पणी में अलगाववादियों पर सी.पी.ई.सी. को विफ ल करने का आरोप लगाया। बी.एल.ए. द्वारा प्रांत भर में कई हमलों के रूप में अधिक परिचालन क्षमता को प्रदर्शित करने के साथ. सी.पी.ई.सी., जिसमें मुख्य ग्वादर बंदरगाह भी शामिल है, हिंसा के खतरे के प्रति संवेदनशील बना रहेगा।

बलूचिस्तान, जिसका क्षेत्रफल पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफ ल का 40 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन जनसंख्या का केवल 6 प्रतिशत है, का लंबे समय से अफगानिस्तान से नाता रहा है। यहां राजनीतिक अशांति का इतिहास है क्योंकि एक अलग बलूच राज्य की मांग करने वाला विद्रोह स्वतंत्रता के समय से ही चल रहा है। आर्थिक उत्पीडन्, पंजाब विरोधी भावना, जबरन गायब किए जाने, गैर-न्यायिक हत्याएं और बलूच राष्ट्रवाद के विचार की स्पष्ट अस्वीकृति ने विद्रोह को बढ़ावा दिया है जो अब पारंपरिक रूप से अधिक हाई-प्रोफाइल मुद्दों जैसे कि अफ गानिस्तान में पाकिस्तान की भूमिका के साथ अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियों में है। अपनी विशिष्ट पहचान के साथ बलूच लोगों को पारंपरिक रूप से धर्मनिरपेक्ष माना जाता है और यह सुनिश्चित करना पाकिस्तान के हित में है कि वे टी.टी.पी. जैसे समूहों के साथ काम न करें जो चरमपंथी धार्मिक विचारधारा से प्रेरित हैं। पाकिस्तान को ब्लूच याक जेहती समिति जैसे नागरिक अधिकार समूहों से जुडने् का भी तरीका खोजना होगा जो जबरन गायब किए जाने और न्यायेत्तर हत्याओं जैसे मुद्दों को शांतिपूर्वक उठाना चाहते हैं।

पाकिस्तान भारत पर बी.एल.ए. को फंड देने का आरोप लगाता रहेगा। अतीत में, उसने अलगाववादियों पर कार्रवाई को एन.एम.आई. के साथ उनके कथित संबंधों की बात करके उचित ठहराया है। भारत निश्चित रूप से इस बात पर करीबी नजर रखेगा कि पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान में तनाव बढने् पर क्या प्रतिक्रिया देती है क्योंकि वह जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों को बाधित करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ सतर्क है।

एकात्मता के स्वर

भारतमाता

स्वायम्भुव मनु के बडे पुत्र राजर्षि प्रियव्रत ने देखा कि सुरगिरिमनु परिक्रमान भगवानादित्यो भाग0 5/1/31 भगवान् सूर्य सुमेरु की परिक्रमा करते हुए लोकालोकपर्यन्त पृथ्वी के जितने भाग को आलोकित करते हैं उतने में प्रकाश, शेष हिस्से में अँधेरा रहता है। तब उन्होंने ज्योतिर्मयेन रजनीमपि कहा मैं रात को भी दिन बना दूँगा। और सूर्य के समान वेगवान रथ पर चढ़ कर द्वितीय इव पतंग दूसरे सूर्य के समान उनके पीछे-पीछे पृथ्वी की सात परिक्रमायें कर डाली।

उनके रथ के पहिये से जो लीकें बनी उससे सप्तसिन्धव सात समुद्र हुए व कृता: सात भुवो द्वीपा:। सात द्वीप बने। यथा- जम्बू, प्लक्ष, शाल्मलि, कुश, क्रौंच, शाक और पुष्कर। राजा प्रियव्रत ने दस पुत्रों में सबसे बड़े बेटे आग्नीन्ध्र को जम्बू द्वीप का राजा बनाया। राजा आग्नीन्ध्र ने पूर्णचिति अप्सरा के सहवास से नाभि आदि नी पुत्रों को उत्पन्न कर उन्हीं के नामों से जम्बू द्वीप के नौ खण्ड बना दिये। राजार्षि नाभि के मरुदेवी के गर्भ से विष्णु अंशावतंस ऋषभ (श्रेष्ठ) नामक बालक का जन्म हुआ।

इन्हीं ऋषभदेव के राज्य में इन्द्र ने ईर्ष्यावश जब वर्षा नहीं की तब इन्होंने स्ववर्षमननाभं नामाभ्यवर्षत। अपनी योगमाया के प्रभाव से अपने वर्ष अजनाभखण्ड में खूब जल बरसाया। इन्द्र पुत्री जयंती के द्वारा इन्होंने अपने ही समान सी पुत्र पैदा किये। जिनमें भरत सबसे बडे और अधिक गुणवान् थे। आगे चलकर उन्हीं के नाम से लोग वर्षभारतमिति व्यपदिशन्ति। इस अजनाभ खण्ड को भारतवर्ष कहने लगे। मेरुपर्वत के दक्षिण की ओर भारतं प्रथमं वर्ष विष्णु पहला भारत वर्ष है। अस्सी हजार योजन लंबा, दो हजार योजन ऊँचा और चौड़ा हिमालय है। उत्तरं यतत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम। वर्ष तद्भारतं नाम भारती यत्र सन्तति।। जो समुद्र के उत्तर तथा हिमालय के दक्षिण में स्थित है। वह देश भारतवर्ष कहलाता है। उसमें भरत की संतानें बसी हुई है। नवयोजनसहस्त्रो विस्तारेस्य महामुने। कर्मभूमिरियं स्वर्गमपवर्ग च गच्छताम् ।। अर्थात् इसका विस्तार नौ हजार योजन है। यह स्वर्ग और अपवर्ग प्राप्त करने वालों की कर्मभूमि है। इसी देश में मनुष्य शुभ कर्मों द्वारा स्वर्ग अथवा मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ के सिवा न खल्वन्यत्र मर्त्यानां कर्म भूमौ विधीयते और कहीं भी मनुष्य के लिये कर्म की विधि नहीं है। यहीं पर चत्वारी भारतवर्षे चारों युग सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग हैं अन्यत्र कहीं कृतं त्रेता द्वापरश्च कलिश्चान्यत्र न क्वचित। छह ऋतुएँ भी भारतवर्ष को छोड़कर अन्यत्र किसी भी देश में नहीं होती हैं, ऐसा कहते हैं। जम्बू द्वीप में भी भारतवर्ष सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि यतो हि कर्मभूरेषा ह्यतो न्या भोगभूमय।। यह कर्मभूमि है इसके अतिरिक्त अन्य देश भोग-भूमियों हैं। गायन्ति देवा किल गीतकानि, धन्यास्तु ते भारत भूमिभागे। स्वंगापवर्गास्पदमार्गभूते, भवन्ति भूय: पुरुषा: सुरत्वात् । अर्थात् देवगण भी निरन्तर यही गान करते हैं कि जिन्होंने स्वर्ग और अपवर्ग के मार्गभूत भारतवर्ष में जन्म लिया है वे पुरुष हम देवताओं की अपेक्षा भी अधिधन्य (बडभागी) है।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रक्षिप्त-पाठ (भाग-14)

गतांक से आगे...

धर्म पर आरुढ़ होने के लिए स्वामी की भाँति हुक्म देने वाले वेद और स्मृतिशास्त्र प्रभु-सम्मित हैं, और मित्रों की तरह कार्य कारण पूर्वक हानि लाभ समझा कर धर्म मार्ग पर तत्पर रहने का परामर्श देने वाले पुराण और इतिहासग्रन्थ-मित्र सम्मित हैं। तथा कान्ता की तरह हाब भाव कटाक्ष रूप अभिनय रसादि द्वारा सन्मार्ग पर आकृष्ट करने वाले काव्य और नाटक ग्रन्थ कान्तासम्मित हैं। इस प्रकार भी मान्य किन्तु रूखो जेद आज्ञाओं का पालन करवाने के लिये पुराणों का विशिष्ट पद है।

लौकिक-प्रक्रिया- आजकल प्रत्येक सभ्य देश ने अपनी 2 परिस्थिति के अनुसार कुछ कानून बना रक्खे हैं। छोटी-बड़ी सभी अदालतों में प्राय: उन कानूनों के आधार पर ही अभियुक्तों के कार्यों को न्यायोचित या अपराध ठहराया जाता है। यदि विचार दृष्टि से देखा जाए तो प्रत्येक अभियोग के तीन अङ्ग होते हैं । (1) दावा (2) दलील और (3) मिसाल। योग्य वकील सर्वप्रथम अपना दावा पेश करता है, फिर उसकी वास्तविकता को सिद्ध करने के लिये युक्तियें देता है, तदनन्तर पुरानी मिसालों के निर्णय का दृष्टान्त देकर सिद्धान्त की ओर संकेत करता है। उक्त तीनों अङ्गों में से किसी एक के भी न होने पर पक्ष समर्थन की अपूर्णता स्पष्ट है। इसी प्रकार धर्म-निर्णय में वेद और स्मृति के विधि-निषेधात्मक वचन दावा हैं और उनके त्याग या संग्रह का कारणात्मक विवेचन करने वाले दर्शनशास्त्र दलील हैं तथा वेदविहित विधि निषेध के अनुकूल आचरण करने वाले राम रावण और युधिष्ठिर दुर्योधनादि के आदर अनादर के दृष्टान्त रूप इतिहास पुराणादि मिसाल हैं।

इसी प्रकार भी दावा दलील के साथ पुरानी मिसालों को अत्यावश्यकता है और वह पद केवल पुराणेतिहास को ही दिया जा सकता है ।

क्रमश:...

गणेश चतुर्थी

अनन्या मिश्रा

हिंदू धर्म में गणेश चतुर्थी एक प्रमुख त्योहार है। गणेश चतुर्थी के दिन गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश की पूजा करने से वह अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। हिंदू पंचांग के मुताबिक भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष में भगवान श्री गणेश का जन्म हुआ था। इस साल 07 सितंबर 2024 को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जा रहा है। जबकि 17 सितंबर 2024 को गणेश विसर्जन किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अनुष्ठान सही तरीके से किए जाएं, इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण दिशानिर्देश आप जरुर जानें।

गणेश की मूर्ति चुनना

भगवान गणेश की मूर्ति चुनते समय,

ऐसी मूर्ति चुनना बहुत शुभ माना जाता है जिसमें देवता की सूंड बाईं ओर झुकी हुई हो। बैठी हुई गणेश की मूर्ति भी अनुशंसित है क्योंकि यह सुख और समृद्धि का प्रतीक है। इसके अतिरिक्त, मूर्ति में आदर्श रूप से गणेश के एक हाथ में आशीर्वाद की मुद्रा और दूसरे में मोदक पकड़े हुए होना चाहिए, जो देवता की पसंदीदा मिठाई है।

स्थापना की दिशा

गणेश जी की मूर्ति को अपने घर के उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करना महत्वपूर्ण है, जहां मूर्ति का मुख उत्तर दिशा की ओर हो। सबसे पहले एक साफ मंच चुनें, उसे कपड़े से ढंक दें और फिर उस पर मूर्ति स्थापित करें। ऐसा माना जाता है कि इस स्थिति से घर में सकारात्मक ऊर्जा और आशीर्वाद आता है।

पूजा विधि

मूर्ति स्थापित करने के बाद शुद्धि अनुष्ठान के तहत भगवान पर शुद्ध गंगाजल (पवित्र जल) और चावल छिड़कें। मूर्ति के साथ समृद्धि और आध्यात्मिक शक्ति के प्रतीक ऋद्धि और सिद्धि को रखना भी आवश्यक है। मूर्ति के दाईं ओर जल से भरा बर्तन रखना चाहिए। इन तैयारियों के बाद भगवान गणेश को फूल, फल और मिठाई, खासकर मोदक चढ़ाएं। मंत्रों का जाप करें और आरती के साथ पूजा पूरी करें, जो भगवान के सामने जलते हुए दीपक लहराने की एक रस्म है।

गणेश चतुर्थी के दौरान इन निर्देशों का पालन करके भक्त अपने जीवन में भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं, जिससे सुख, समृद्धि और शांति आएगी।

मोदक का लगाएं भोग

बता दें कि भगवान गणेश को मोदक बेहद प्रिय है। ऐसे में गणेश चतुर्थी के दिन मोदक का भोग लगाना चाहिए। इस उपाय को करने से वैवाहिक जीवन में आने वाली परेशानियां दूर होती हैं।

ऐसे बनाएं मोदक- मोदक बनाने के लिए आप सांचे में घी लगाकर उसे चिकना कर लें। फिर मूंगफली के मिक्स में से एक हिस्सा उठाएं और सांचे में डालें। इसे अच्छे से दबाएं और किनारों के नीचे वाले हिस्से से एक्सट्रा हटा लें और सांचा खोलें और मोदक निकाल लें।

पुतिन थक गए या मोदी की वो बात समझ में आ गई

अभिनय आकाश

रूस और यूक्रेन युद्ध पर पूरी दुनिया की उम्मीदें खत्म होती जा रही थी कि आखिर ये युद्ध कैसे खत्म हो सकता है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का पहले रूस दौरा और उसके बाद यूक्रेन दौरा हुआ। 23 अगस्त 2024 की वो तारीख जब पहली बार भारत का कोई प्रधानमंत्री यूक्रेन गया। ये दौरा ऐसे वक्त में हुआ जब रूस और यूक्रेन में जंग नए दौर में पहुंच गई। लगातार ये कहा गया कि भारत एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। सियासी तौर पर इसका अलग अलग विश्लेषण हुआ इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने जंग के बीच शांति का संदेश ले जाने का जोखिम उठाया। जिसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति ने भारत को लेकर जो भरोसा जताया उस पर पुतिन ने मुहर लगाया।

23 अगस्त को ही यूक्रेन के राष्ट्रपति ये कहते हैं कि इस जंग को केवल भारत ही रुकवा सकता है। क्योंकि पुतिन पर भारत का काफी प्रभाव है। यूक्रेन के राष्ट्रपति भारत के वर्चस्व की तारीफ करते हुए कहा था कि आप एक बड़े देश हैं, आपका प्रभाव बहुत बड़ा है और आप पुतिन को रोक सकते हैं और उनकी अर्थव्यवस्था को रोक सकते हैं और उन्हें वास्तव में उनकी जगह पर ला सकते हैं। इस बयान के करीब 15 दिनों के भीतर पुतिन ने भारत को लेकर बड़ा बयान दे दिया। जिससे रूस और यूक्रेन के बीच शांति की कोशिशें शुरू हो सकती हैं। रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि वो जंग के बीच यूक्रेन से बातचीत को तैयार हैं। व्लादिमीर पुतिन ने ये कहा कि यूक्रेन के साथ बातचीत को वो तैयार हो सकते है। मध्यस्थता के लिए उन्होंने तीन देशों के नाम भारत, चीन और ब्राजील लिए। यानी पीएम मोदी की तरफ से जो कोशिशे की गई थी, उसे पुतिन की मध्यस्थता के इस विकल्प से बल मिलता है। भारत बुद्ध की विरासत वाली धरती है जो युद्ध नहीं शांति की नीति पर चलता है। पीएम मोदी विभिन्न मंचों से साफ कर चुके हैं कि ये युद्ध का युग नहीं है।

अमेरिका ने कहा है कि भारत यूक्रेन-रूस जंग को खत्म करने में अहम भूमिका निभा सकता है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका ऐसे किसी भी देश का स्वागत करता है जो यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने में मदद करने का प्रयास करना चाहता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने हाल में रूस की यात्रा के बाद यूक्रेन की यात्रा की थी। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मोदी से फोन पर बात की। किर्बी से बुधवार को पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि भारत युद्ध को समाप्त करने में भूमिका निभा सकता है? किर्बी ने कहा, %हम ऐसी उम्मीद करते हैं कि भारत शांति कायम करने में भूमिका निभा सकता है।

रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद, 24 फरवरी 2022 से 31 जुलाई 2024 तक के जो आंकड़े ऑफिस ऑफ द हाई कमिश्नर ऑफ ह्यूमन राइट्स (ह्व॥ष्ट॥क्र) ने जारी किए हैं, वे मासूमों पर जुल्म की दास्तां बताते हैं। इनके मुताबिक, 35160 लोग या तो मारे गए या घायल हुए। इस दौरान 11520 मारे गए लोगों में 633 बच्चे थे, जबकि 23640 घायल आम नागरिकों में बच्चों की संख्या 1551 थी। ह्व॥ष्ट॥क्र ने यह भी कहा कि असल संख्या कहीं अधिक हो सकती है। सबसे ज्यादा 3900 कैजुअलटी मार्च 2022 में देखी गई। यूनिसेफ की 26 अप्रैल 2024 को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन में पिछले साल की तुलना में इस साल 40त्न अधिक बच्चे मारे गए।

गौतम बुद्ध और भावित होती महात्मा गांधी के देश के तौर पर भारत हमेशा ही शांति और अहिंसा का पक्षधर रहा है। गांधी और बुद्ध के विचार हमें सतत याद दिलाते रहते हैं कि संघर्ष और हिंसा के बजाय अहिंसा और बातचीत के रास्ते से ही हम शांति की मंजिल पा सकते हैं। यह बताते हुए कीव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यूक्रेन और रूस से महात्मा गांधी और गौतम बुद्ध की राह अपनाने की अपील की। इस यात्रा के दौरान वह युद्ध के दौरान मारे गए बच्चों की याद में बनाए गए मेमोरियल भी गए थे और वहां जाकर भावुक हो गए। पीएम मोदी ने मासूमों की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि सभ्य समाज में जहां लोग मानवता पर विश्वास करते हैं, निर्दोष बच्चों की मौतें अस्वीकार्य हैं। मोदी ने कहा कि वह बच्चों के खिलाफ हिंसा से बहुत दुखी हैं। इसके साथ ही पीएम ने यह भरोसा दिलाया कि भारत इस क्षेत्र में शांति कायम करने के लिए अपने प्रयास करता रहेगा। उन्होंने शांति के लिए एक दोस्त के तौर पर व्यक्तिगत रूप से अपना योगदान करने का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूक्रेन दौरे को पूरी दुनिया उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत से आह्वान किया कि वह रूस के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों का उपयोग करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन में अपने अवैध युद्ध को समाप्त करने के लिए कहे। चाहे रूस और यूक्रेन हों या अमेरिका और अन्य यूरोपीय देश, भारत किसी के भी दबाव में आए बगैर अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र और संतुलित नीति पर कायम है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी आज भी यह उम्मीद बनाए हुए है कि दोनों देशों से करीबी की बदौलत भारत शांति प्रयासों को अंजाम तक पहुंचाने में विशेष भमिका निभा सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घनिष्ठता जग जाहिर है और अगर वह अपने दोस्त को युद्धविराम के लिए सहमत करने में कामयाब हो सके तो इतिहास में अमर हो जाएंगे। पीएम मोदी ही नहीं, समूची दुनिया इस इलाके में जल्द से जल्द शांति का सूरज उगते देख सके।

आज का इतिहास

1822 ब्राजील ने पुर्तगाल से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
1835 चार्ल्स डार्विन एचएमएस बीगल पर गलापागोस द्वीपसमूह पर पहुंच गया।
1893 इटली में ब्रिटिश प्रवासियों ने जेनोआ क्रिकेट और एथलेटिक क्लब की स्थापना की, जो आज इटली के सबसे पुराने एसोसिएशन फुटबॉल क्लबों में से एक है।
1901 पेकिंग के साथ आठ-राष्ट्र संघ से विदेशी सैनिकों के कब्जे में, किंग चीन को बॉक्सर प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया था, जो बॉक्सर विद्रोह को समाप्त करने वाली एक असमानता थी।
1921 अमेरिका के न्यू जर्सी शहर में सर्वप्रथम औरतों के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मिस अमेरिका को कामयाबी मिली।
1921 अटलांटिक सिटी के न्यू जर्सी में पहला मिस अमेरिका, एक दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
1923 ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में इंटरपोल की स्थापना की गई।
1927 फिलियो टेलर ने पूर्णत: इलेक्ट्रॉनिक टीवी बनाने में सफलता हासिल की।
1940 द्वितीय विश्व युद्ध : जर्मन लूफ़्टवाफे ने ब्रिटेन की लड़ाई में अपनी रणनीति बदल दी और लगातार 50 से अधिक रातों के लिए लंदन और अन्य ब्रिटिश शहरों और कस्बों पर बमबारी शुरू कर दी।
1949 जर्मनी का संघीय गणराज्य आधिकारिक तौर पर स्थापित किया गया। कोनराड एडानौएर पहले संघीय चांसलर बने।
1950 स्कॉटलैंड के न्यू कलमोक शहर में एक कोयला खदान गिरने से 13 खनिकों की मौत और 166 लोगो को बचाया गया।
1979 स्कॉट रसमिसल और उनके पिता ब्यू रस्मिसन द्वारा स्थापित खेल और मनोरंजन केबल चैनल इ.एस.पी.एन. ने केबल कार्यक्रमों की शुरुआत की।
1981 अमेरिकन साप्ताहिक न्यूज़मेगजीन एजुकेशन वीक का पहला अंक प्रकाशित किया गया।
1986 डेसमंड टूटू दक्षिणी अफ्रीका के चर्चों प्रांत का नेतृत्व करने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति बने।

भ्रष्टाचार रोकने के लिए उत्तरप्रदेश का रास्ता अपनाना होगा

अशोक मधुप

आज आमजन भ्रष्टाचार पीड़ित है। ऐसा लगने लगा है कि कोई काम अब रिश्वत दिए बिना नहीं होता। भ्रष्टाचार देश की जड़ तक पहुंच गया। सभी इससे परेशान हैं किंतु इसके रोकने के लिए कोई पहल नही कर रहा। ईमानदारी का चोला पहन कर राजनीति में आई आम आदमी पार्टी खुद आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। आप के सर्वे सर्वा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं दिल्ली के शराब घोटाले में जेल में हैं।

भ्रष्टाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नई व्यवस्था की है। ये बहुत अच्छी व्यवस्था है हालांकि अभी इसमें बहुत कुछ करना होगा। उत्तर प्रदेश के इस मॉडल को पूरे देश को स्वीकारना होगा। भ्रष्टाचार करने वालों के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की कार्रवाई को अन्य प्रदेशों को अपने यहां लागू करना होगा, हालांकि अभी उत्तर प्रदेश में शुरूआत है। इस आदेश के परिणाम आने में समय लगेगा। अपराधियों और माफियाओं के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बुलडोजर चलाया। उनके द्वारा खड़ी की गई अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया गया। ये प्रयोग इतना सफल रहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध घटे। अपराधी प्रदेश छोड़कर भागने लगे। प्रदेश की कामयाबी देख अन्य कुछ राज्यों ने भी यही बुलडोजर की कार्रवाई को स्वीकारा। इसे अपने यहां लागू किया। स्वयं सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों के बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के एक्शन की प्रशंसा की।

प्रदेश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक आदेश में राज्य के आईएएस, आईपीएस, पीपीएस, पीसीएस अफसरों की तर्ज पर राज्य कर्मचारियों को भी ऑनलाइन संपत्तियों का ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया है। सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्यौरा ऑनलाइन मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया था। हालांकि शिक्षकों, निगम कर्मचारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों को अभी इसमें शामिल नहीं किया गया। सरकार ने इसके लिए समय सीमा निर्धारित करते हुए इसके लिए आखिरी तारीख 31 अगस्त तय की गई थी। आदेश के बाद भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने ये काम नहीं किया। इस कारण सरकार ने इनकी सैलरी रोकने का आदेश किया दी। पहले खबर आई थी इनका प्रमोशन भी रोका जा रहा है। अब यूपी सरकार ने कर्मचारियों को एक महीने का और वक्त दिया है। ये सरकार की ओर से आखिरी अल्टीमेटम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मात्र 71 फीसदी कर्मचारियों ने ही अपनी चल और अचल संपत्ति की जानकारी अपलोड की है। 2,44,565 राज्य कर्मचारियों की संपत्ति का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पाया।

उत्तर प्रदेश सरकार के चीफ सेक्रेटरी ने सभी विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि सभी सरकारी कर्मचारी 31 अगस्त तक चल-अचल संपत्ति घोषित करें नहीं तो उनका प्रमोशन नहीं होगा। इसके साथ ही कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी भी नहीं आएगी। सरकारी कर्मियों को संपत्ति घोषित करने का निर्देश पहले भी दिया जा चुका है लेकिन संतोषजनक रिस्पांस नहीं मिलने पर सरकार ने कड़ा फैसला लिया है। यूपी सरकार ने अब राज्य कर्मचारियों को एक महीने की छूट दी है और आदेश दिया है कि कर्मचारी दो अक्तूबर तक संपत्ति का ब्योरा दे सकेंगे। पहले ब्योरा न देने वालों कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी रोकने का आदेश दिया गया था। संपत्ति का ब्यौरा देने में टेक्सटाइल, सैनिक कल्याण, ऊर्जा, खेल, कृषि और महिला कल्याण विभाग के कार्मिक सबसे आगे रहे। जबकि, शिक्षा विभाग के कार्मिक अपनी संपत्ति को छिपाने में आगे हैं। इस लिहाज से सबसे फिसड्डी बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास और राजस्व विभाग साबित हुए।

17 अगस्त को जब यह आदेश जारी हुआ था, तब 131748 यानी 15 फीसदी राज्य कर्मियों ने ही पोर्टल पर अपनी संपत्ति दर्ज की थी। 20-31 अगस्त के बीच यह बढ़कर 71 फीसदी हो गया। शासन के एक उच्चपदस्थ अधिकारी ने बताया कि संपत्ति का ब्यौरा न देने वाले कार्मिकों का वेतन रोकने का आदेश पहले ही दिया जा चुका है। सभी विभागों को इसका अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। प्रदेश में कुल 846640 राज्य कर्मी हैं। इनमें से 602075 ने ही मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा दिया। विवरण दर्ज कराने के आदेश पर जीपी मुख्यालय ने नियुक्ति विभाग को पत्र भेजकर उनके कार्मिकों के लिए संपत्ति का ब्यौरा देने के लिए कुछ और समय दिए जाने का अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है कि त्योहारों और पुलिस भर्ती परीक्षा के कारण तमाम पुलिस कर्मी समय से अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दे पाए। माना जा रहा है कि गृह विभाग के लिए यह तिथि बढ़ाई जा सकती है। शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, जिन अधिकारियों-कर्मचारियों का अगस्त माह का वेतन रोका गया, इसे तभी जारी किया जाएगा, जब वे संपत्ति का ब्यौरा दे देंगे। उनकी संपत्ति का ब्यौरा मिलने पर वेतन देने का फैसला संबंधित विभाग शासन से वार्ता के बाद ले सकेंगे। लगता है कि इसी पत्र के बाद विवरण दर्ज कराने के लिए एक माह का और समय दिया गया है।

आदेश सही है किंतु इसमें अभी सुधार करना होगा, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए अभी उत्तर प्रदेश को बहुत कुछ करना होगा। कर्मचारियों के अपनी चल और अचल संपत्ति के मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज कराने से काम नही चलेगा। इसके लिए उसके परिवार के सभी सदस्यों की संपत्ति का ब्यौरा दर्ज कराना होगा। ये आदेश राज्य सभी सरकारी और अर्ध सरकारी कर्मचारियों पर लागू किया जानी चाहिए। वास्तव में यह कार्य सेवा में आने से पूर्व होना चाहिए। सेवा में आने के बाद शादी होने पर कर्मचारी अपनी पत्नी की प्रत्येक प्रकार की संपत्ति दर्ज कराए। बच्चे होने पर उनका विवरण दर्ज हो। इतना ही नही जन प्रतिनिधियों, जन सेवकों पर भी यह व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। आज हालत यह है कि देख गया है कि प्रधान या स्थानीय निकाय का चेयरमैन बनते ही उसके पास लंबी चौड़ी गाड़ी आ जाती है। यह तभी रूकेगी जब, उसके और उसके परिवार की चल अचल संपत्ति चुने जाते ही शपथ से पूर्व घोषित की जाए। विधायकों और विधान परिषद सदस्य, विभिन्न बोर्ड के पदाधिकारी और सदस्यों पर भी यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए। समाज में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए देश को सख्त निर्णय लेने होंगे। भ्रष्ट हुई व्यवस्था अब बिना सख्ती के ठीक नही होगी। इसकी जड़े आज बहुत गहराई तक पहुंच गई हैं। भ्रष्टाचार की इन जड़ों को ही हमें नही काटना होगा, अपितु इनकी जड़ों का मिल रहा खाद पानी भी रोकना होगा। एक बात और कि ऐसी भी व्यवस्था कानून में होनी चाहिए की रिश्वत देने वाला सरकार को बताए कि उससे रिश्वत मांगी जा रही है। उसके द्वारा दी गई सूचना गुप्त रखी जाए। सूचना पर कार्रवाई होने के बाद सूचना देने वाले को सम्मानित भी किया जाए। अगर नही बताता है तो पता चलने पर उसके विरूद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए।

एक चीज और हमें स्कूली शिक्षा से ही बच्चों को आदर्श नागरिक बनने के बारे में उसे बताना होगा। उसे प्रेरित करना होगा कि वह समझे कि भ्रष्टाचार गलत है। भ्रष्टाचारी के प्रति होने वाली कार्रवाई से भी उसे अवगत कराया जाए, ताकि बचपन से ही इस कुरूति के प्रति उसके मन में गलत धारणा बन सके। ऐसा होने पर ही इसे रोका जा सकेगा।

अयोध्या में भाजपा नेताओं में आपसी कलह पार्टी के लिए बनेगी बड़ी चुनौती!

शाहरुख खान

यूपी में विधानसभा उप चुनाव में सभी 10 सीटों को जीतने का लक्ष्य भेदने की तैयारी में जुटी भाजपा भले ही अंदरूनी कलह के खत्म होने का दावा कर रही है, लेकिन अयोध्या में पूर्व सांसद लल्लू सिंह द्वारा पार्टी के ही एक नेता के खिलाफ जिस तरह से सार्वजनिक तौर पर अपराधी होने का आरोप लगाकर पार्टी के कार्यक्रम का बहिष्कार किया गया है, उससे स्पष्ट है कि बड़े नेताओं की तमाम कोशिशों के बावजूद भाजपा के भीतर उठे अंदरूनी कलह की आग अभी भी सुलग रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर समय रहते पार्टी के भीतर के कलह को शांत नहीं किया गया तो उप चुनाव जीतने के लक्ष्य को भेदना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बनेगी। वहीं, पार्टी स्तर पर अयोध्या की घटना को पार्टी का प्रदेश नेतृत्व पूर्व सांसद की व्यक्तिगत नाराजगी मान रहा है। सूत्रों का कहना है कि सांसद पार्टी से नहीं, बल्कि स्थानीय एक नेता से नाराज थे, इसलिए पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में शामिल नहीं हुए। उधर दूसरी ओर नाम न छापने की शर्त भाजपा के कुछ नेताओं का कहना है कि अयोध्या की मिल्कीपुर सीट जीतना भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है। वैसे भी मुख्यमंत्री ने खुद इस सीट को जीताने की जिम्मेदारी ले रखी है। ऐसे में स्थानीय नेताओं की आपसी खींचतान पार्टी के प्रयासों में रोड़ा अटका सकता है। वहीं, भाजपा के रणनीतिकारों को भी यह चिंता सताने लगी है कि अगर अपने ही नेताओं मतभेद की स्थिति रही तो इससे पार्टी ही कमजोर होगी। भाजपा नेताओं के बीच आपसी खींचतान ऐसे समय में सामने आई है, जब पूरा संगठन मिल्कीपुर उपचुनाव की तैयारियों में जुटा है। खुद मुख्यमंत्री मोर्चा संभाले हुए हैं। पिछले दिनों इसी विधानसभा क्षेत्र में दो अलग-अलग कार्यक्रमों में सीएम शिरकत भी कर चुके हैं। मुख्यमंत्री चाहते हैं कि इस उपचुनाव में पार्टी की जीत हो, जिससे लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद एक सियासी संदेश प्रदेश के साथ पूरे देश में दिया जा सके। इसके इतर स्थानीय स्तर पर एक बार फिर लोकसभा चुनाव जैसे ही हालात पैदा होने लगे हैं, तब भी पार्टी गुटों में विभाजित रही। इसका नतीजा रहा कि राममंदिर के निर्माण के साथ कई बड़ी विकास परियोजनाओं की सौगात मिलने के बाद भी पार्टी को प्रतिष्ठापरक फैजाबाद संसदीय सीट पर हार का सामना करना पड़ा। अयोध्या की इस सीट पर हार की गूंज देश ही नहीं, विदेश तक सुनाई देती रही। बता दें कि पूर्व सांसद बुधवार को सर्किट हाउस में पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर प्रदेश महामंत्री और अवध क्षेत्र के प्रभारी संजय राय की प्रेस कान्फ्रेंस को छोड़कर चले गए थे। उनका कहना था कि मंच पर अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति बैठा है और वे उसके साथ मंच साझा नहीं कर सकते। यह घटनाक्रम को लेकर पार्टी के भीतर और बाहर भी चर्चाओं का बाजार गरम है। सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर बहस शुरू हो गई है। पूर्व सांसद लल्लू सिंह मामले में पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी फोरम पर वे इस तरह के विषयों को उठाते रहेंगे। पूर्व सांसद बृहस्पतिवार को कारसेवकपुरम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में भी शामिल हुए । हालांकि उनका कहना है कि इस दौरान उनकी सीएम से भेंट नहीं हुई।

शांति और विकास के लिए राज्यपाल और मुख्यमंत्री में तालमेल जरूरी

इकबाल सिंह चन्नी

हाल ही में राष्ट्रपति ने पंजाब के पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और गुलाब चंद कटारिया को पंजाब का नया राज्यपाल नियुक्त किया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भी इस नियुक्ति का स्वागत किया। हालांकि, जब नए राज्यपाल ने पंजाब के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की, तो एक बार फिर यह महसूस हुआ कि पंजाब के राज्यपाल और मुख्यमंत्री के लिए पहले की तरह बातचीत करना मुश्किल होगा। लेकिन हाल ही में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के अमृतसर दौरे की खबर से यह उम्मीद फिर से जागी है कि पंजाब के मुख्यमंत्री और राज्यपाल भवन के बीच पिछले अढ़ाई साल से चली आ रही राजनीतिक कड़वाहट दूर हो जाएगी।

इससे पहले पंजाब के पूर्व राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच तालमेल की कमी के कारण पंजाब का राजनीतिक माहौल अक्सर बंटा रहता था और मामला कभी-कभी अलगाव तक पहुंच जाता था। ऐसा व्यवहार पंजाब में भगवंत सिंह मान की सरकार बनने से करीब एक साल बाद ही शुरू हो गया था जब मान सरकार ने केंद्र की भाजपा सरकार पर 'ऑप्रेशन लोटस' का आरोप लगाकर विश्वास मत हासिल करने के लिए सत्र की मंजूरी ली लेकिन बाद में पंजाब के राज्यपाल ने विपक्षी दलों की इस मांग कि संविधान में इस तरह के विश्वास मत का कोई प्रावधान नहीं है, को स्वीकार करते हुए इस अनुमति को खारिज कर दिया।

इस कदम से नाराज पंजाब सरकार ने इसे कैबिनेट बैठक में पारित कर दिया और नियमित सत्र के लिए मंजूरी मांगी, लेकिन सरकार ने फिर भी इस सत्र में विश्वास मत पारित करवा दिया और 75 वर्षों में यह दूसरी बार था कि किसी सरकार ने इस तरह से विश्वास मत पारित करवाया हो। इससे पहले 1981 में दरबारा सिंह सरकार की ओर से विश्वास मत पेश किया गया था। गौरतलब है कि सत्र शुरू होने से पहले पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा और 11 अन्य विधायकों ने पंजाब के डी.जी.पी. को एक लिखित शिकायत सौंपी थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि केंद्र सरकार आम आदमी पार्टी के विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा कई मुद्दों जैसे राज्यपाल पुरोहित के सीमावर्ती इलाकों के दौरे के दिन मुख्यमंत्री द्वारा सभी एस.एस.पी. और डी.सी. को चंडीगढ़ बुलाना, सरकार की ओर से प्रिंसिपलों को प्रशिक्षण के लिए सिंगापुर भेजने के फैसले पर राज्यपाल द्वारा स्पष्टीकरण मांगना, राज्यपाल की ओर से पंजाब सरकार की तरफ से बुलाए गए बजट सत्र की स्वीकृति देने से मना करने पर पंजाब सरकार का सुप्रीमकोर्ट में पहुंच कर सत्र की मंजूरी लेने जैसे कारणों के कारण पंजाब सरकार और राज्यपाल के मध्य टकराव की स्थिति बनी रही।

इन्हीं कारणों से राज्यपाल ने पंजाब सरकार द्वारा पारित कई विधेयकों को पारित करने से इन्कार कर दिया, जिनमें विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक, पंजाब पुलिस संशोधन विधेयक, एस.जी.पी.सी. संशोधन विधेयक शामिल हैं और उन्हें राष्ट्रपति के पास भेज दिया। इनमें से पंजाब पुलिस संशोधन विधेयक के अलावा बाकी सभी विधेयक अभी तक कानून नहीं बन सके। इन कारणों से पंजाब के मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच तनाव इतना बढ़ गया कि दोनों मौखिक बयानबाजी करने लगे। मुख्यमंत्री राज्यपाल को चयनित व्यक्ति कहने लगे और राज्यपाल अपने संवैधानिक अधिकारों की बात करते रहे। इस बीच राज्यपाल ने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया, जिसे 28 जुलाई को राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी और गुलाब चंद कटारिया को पंजाब का नया राज्यपाल नियुक्त किया।

चर्चा है कि बनवारी लाल पुरोहित का इस्तीफा स्वीकार करने और गुलाब चंद कटारिया को राज्यपाल बनाने के पीछे केंद्र सरकार की मंशा पंजाब में किसान आंदोलन, कानून-व्यवस्था, नशे और अन्य मुद्दों का समाधान करना तथा पंजाब व केंद्र सरकार के बीच बेहतर समन्वय बनाना है। यही वजह है कि पंजाब के नए राज्यपाल काफी सतर्क चल रहे हैं। इसी कड़ी के तहत राज्यपाल और मुख्यमंत्री अपने परिवार के साथ श्री दरबार साहिब, श्री दुर्ग्याना मंदिर और जलियांवाला बाग के दर्शन के लिए अमृतसर पहुंचे।

यहां तक कि खाद मुद्दे पर अब मुख्यमंत्री ने भी केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की तारीफ की है। अब देखने वाली बात यह है कि क्या यह सौहार्द इसी तरह कायम रहेगा या फिर राज्यपाल और मुख्यमंत्री खुद को सुप्रीमो साबित करने की कोशिश करेंगे। लेकिन दोनों ने जो सद्भावना दिखाई है, उससे उम्मीद की जानी चाहिए कि अब पंजाब के राज्यपाल और मुख्यमंत्री सौहार्दपूर्ण तरीके से पंजाब के विकास और महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए काम करेंगे।

न्यायपालिका को अपराधी नहीं, पीड़ित के पक्ष में खड़ा होते दिखना चाहिए

संजय सक्सेना

यह बात समझ से परे है कि जो लोग जघन्य अपराध करते हैं? छोटी-छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म करते हैं उनके ऊपर कार्रवाई करते समय सरकार पूरी तरह से कानून का पालन करे। तर्क दिया जाता है कि अपराध कोई एक व्यक्ति करता है तो उसके पूरे परिवार को इसका खामियाजा क्यों भुगतना पड़े। ऐसे तर्क देने वालों को समझना चाहिए कि जब किसी एक बच्ची के साथ दुष्कर्म या परिवार के किसी सदस्य के साथ कोई आपराधिक वारदात होती है तो उसका खामियाजा जब पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है तो फिर अपराधी को इस आधार पर कैसे छूट दी जा सकती है कि उसके किये अपराध की सजा पूरे परिवार को नहीं मिलनी चाहिए। बात सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की हो रही है जिसमें उसने राज्य सरकारों द्वारा की जा रही बुलडोजर की कार्रवाई पर प्रश्न चिन्ह उठाया था। सुप्रीम कोर्ट का अपना पक्ष हो सकता है लेकिन सभी आपराधिक मामलों के समय यह कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। अपराध करने वाला अगर ताकतवर हो तो वह कानून को अपने हिसाब से 'खरीद' लेता है। अपना सही-गलत बचाव करने के लिये वकीलों की पूरी फौज कोर्ट में उतार देता है। क्या यह सही नहीं है कि आज भी जेलों में छोटे मोटे अपराध करने वालों को इसलिये जमानत नहीं मिल पा रही है क्योंकि वह आर्थिक रूप से सबल नहीं हैं। उनका दर्द कोर्ट की चौखट तक पहुंच ही नहीं पाता है। सुप्रीम कोर्ट इस बात की व्याख्या कभी क्यों नहीं करता है कि एक मुकदमें में वादी-प्रतिवादी की तरफ से कितने अधिवक्ता बहस कर सकते हैं।

यह सच नहीं है कि सरकार हर एक अपराधिक मामले में बुलडोजर लेकर खड़ी हो जाती है, लेकिन माहौल ऐसा बना दिया जाता है जैसे सरकार बहुत बड़ी कसूरवार हो। खासकर योगी सरकार पर तो यह भी आरोप लगते हैं कि वह मुस्लिमों के खिलाफ ज्यादा बुलडोजर कार्रवाई करते हैं। ऐसी बातें करने वाली कानून की आड़ में अपने अपराध पर पर्दा डालने का काम करते हैं। बता दें कई राज्यों में प्रशासन द्वारा आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाए जाने पर 02 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया था। कोर्ट का सवाल था कि कानून में तय प्रक्रिया का पालन किये बगैर किसी का घर कैसे ढहाया जा सकता है। सिर्फ किसी के अभियुक्त होने पर उसका घर कैसे ढहाया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने बगैर नोटिस के आरोपियों के घर ढहाने की शिकायत पर कहा कि अगर वह दोषी भी है तो भी कानून में तय प्रक्रिया के बगैर उसका घर नहीं ढहाया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट का यह कथन समानांतर सरकरार चलाने जैसा नजर आता है। खैर,सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश जारी करने का संकेत देते हुए सभी पक्षकारों से सुझाव मांगे हैं। यह कहते समय सुप्रीम कोर्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस बयान पर भी गौर फरमा लेता तो ज्यादा अच्छा होता जिमसें पीएम ने सुप्रीम कोर्ट के एक कार्यक्रम में उससे महिलाओं से जुड़े मामले जल्द से जल्द निपटाने की उम्मीद जताई थी, जिसमें मुख्य न्यायाधीश भी मौजूद थे।

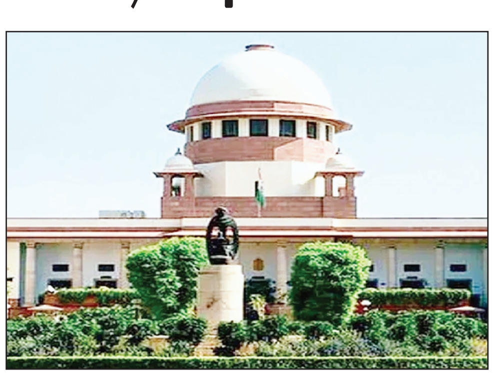

हालांकि सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं देंगे, लेकिन जिस तरह के आदेश कोर्ट जारी करती है उससे अवैध निर्माण को बढ़ावा मिलता ही है। पूरा देश अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहा है इस के लिये सुप्रीम कोर्ट कोर्ट ने कभी उतने सख्त कदम नहीं उठाये जितने अतिक्रमण करने वालों के पक्ष में उठाये जाते हैं। कोई रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण करके बस्तियां बसा लेता है तो कोई नजूल की जमीन हाथिया कर बेच देता है। कोर्ट कै आदेश से लगता है कि वह एक बेगुनाह को सजा न हो इसके लिये 99 गुनाहागारों के प्रति नरम रवैया अख्तियार करने से संकोच नहीं करता है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गैर कानूनी ढंग से निर्माण ढहाए जाने के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि कानून की तय प्रक्रिया के तहत ही कार्रवाई की जाती है। किसी अपराध में आरोपित होना कभी भी अचल संपत्ति के ध्वस्तीकरण का आधार नहीं हो सकता। मामले में 17 सितंबर को फिर सुनवाई होगी।

बता दे बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ ये टिप्पणियां और निर्देश न्यायमूर्ति बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने जमीयत उलमा ए हिंद व अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिए था। जमीयत ने याचिका में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों में गैर कानूनी ढंग से आरोपियों के घर पर बुल्डोजर चलाए जाने के आरोप लगाए हैं। याचिका में कहा है कि विभिन्न राज्यों में बुल्डोजर इंसाफ का खतरनाक चलन बढ़ा है। इसमें समुदाय विशेष को और वंचित वर्ग को निशाना बनाया जा रहा है। जमीयत की ओर से वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे और फारुख रशीद पेश हुए, जबकि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बहस की। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि प्रदेश सरकार ने इस मामले में गत नौ अगस्त को ही हलफनामा दाखिल कर दिया था और उस हलफनामे में राज्य सरकार ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध में आरोपी है तो उसका घर ढहाए जाने का यह आधार कतई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कोई भी अचल संपत्ति सिर्फ, इस आधार पर नहीं ढहाई जा सकती कि व्यक्ति किसी अपराध में आरोपी है। मेहता ने कहा कि अचल संपत्ति म्युनिसिपल अधिनियम और विकास प्राधिकरणों के अधिनियम के उल्लंघन पर कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही ढहाई जाती है। पीठ ने मेहता से कहा कि अगर आप ये स्थिति स्वीकार कर रहे हैं तो अच्छी बात है। कोर्ट आपका बयान दर्ज करके पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश जारी करेगा। मेहता ने कहा कि याचिकाकर्ता इस तरह से मामले को पेश कर रहे हैं, जैसे कि कोई किसी अपराध में आरोपी होता है तो उसका मकान ढहा दिया जाता है, जबकि यह सही नहीं है। वह दिखा सकते हैं। अथॉरिटीज ने मकान ढहाए जाने से बहुत पहले नोटिस जारी किया था। निर्माण अवैध होने पर ही ढहाया जाता है।

हरियाणा में मजबूत वोट बैंक हासिल करने की कोशिश में भाजपा

एकता

हरियाणा में 5 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसके लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट बुधवार को जारी की थी। भाजपा की इस पहली सूचि में 67 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। बता दें, केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कई दौर के मंथन के बाद भाजपा ने ये लिस्ट जारी की है और इसके जरिए पार्टी ने राज्य की सभी जातियों को साधने की कोशिश की है। भाजपा ने विभिन्न जाति समूहों को आकर्षित करने और एक मजबूत वोट बैंक हासिल करने के लिए इस लिस्ट में सभी वर्गों के उम्मीदवारों को शामिल किया है। भाजपा ने लोकसभा चुनावों में बड़ा प्रभाव डालने वाले समूहों को बड़ी संख्या में टिकट आवंटित किए हैं। इतना ही नहीं विभिन्न समाज के छोटे-छोटे और वंचित समुदायों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया है। भाजपा ने 8 महिला उम्मीदवारों को टिकट देकर मैदान में उतार कर महिला वोटरों को साधने की कोशिश की है। चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट के अनुसार हरियाणा में 95 लाख 12 हजार 574 महिलाएं हैं। भाजपा की इस लिस्ट में पिछड़े वर्गों को भी उचित प्रतिनिधित्व मिला है। भाजपा ने 9 टिकट पिछड़े समाज से आने वाले उम्मीदवारों को दिए हैं। इसमें गुर्जर, यादव, कश्यप, कुम्हार, कंबोज और सैनी समुदाय शामिल हैं। पिछले लोकसभा चुनावों में ओबीसी मतदाताओं के समर्थन की कमी के कारण हरियाणा में भाजपा को दस में से केवल पांच सीटें ही मिल पाई थीं। दलित समुदाय को भी प्राथमिकता दी गई है। आवंटित 41 सीटों में से 13 अनुसूचित जाति (एससी) के उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है। जिसमें बाल्मिकी, धानुक, बावरिया और बाजीगर के साथ जाटव समाज के उम्मीदवारों को भी इस सूची में जगह मिली है। भाजपा ने बनिया, विश्नोई, ब्राह्मण, जाट, पंजाबी, सिख, राजपूत और जाट सिख समुदायों को भी अपनी पहली सूची में स्थान दिया है। 13 जाटों को उम्मीदवार बनाया है। वैश्य समुदाय के 5 प्रत्याशियों और 9 ब्राह्मण उम्मीदवार भी मैदान में उतारा है। कदम विभिन्न समाजों के छोटे-छोटे और वंचित समुदायों को प्रतिनिधित्व देने की दिशा में भाजपा ने उठाया है। इस सूची में 27 नए चेहरों को भी मैदान में उतारा गया है। युवाओं को भी टिकट की लिस्ट में जगह मिली है, जिससे युवा मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास किया गया है। सूची में नए चेहरे और हाल ही में पार्टी में शामिल हुए उम्मीदवार शामिल हैं।भाजपा जो विपक्षी दलों पर भाई-भतीजावाद का आरोप लगाती आई है लेकिन हरियाणा में स्वयं ही नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट बांटे हैं। भाजपा की इस सूची में केंद्रीय मंत्री अमित शाह के करीबी गौरव गौतम, पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल के बेटे भव्य बिश्नोई और उनके करीबी पारिवारिक मित्र रणधीर पनिहार को टिकट मिला है। इसके अलावा दुदाराम बिश्नोई, रणबीर गंगवा और पूर्व राज्य मंत्री करतार सिंह भड़ाना के बेटे मनमोहन भड़ाना का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान दीपक हुड्डा जैसे कुछ चौंकाने वाले नाम शामिल हैं। इनके अलावा पूर्व ओलंपियन पहलवान योगेश्वर दत्त को भी टिकट नहीं मिला। हालांकि दंगल गर्ल के नाम से मशहूर बबीता फोगट को दूसरा मौका नहीं मिला।

रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में मदद करते हैं नींबू के पत्ते

नींबू के पत्ते विटामिन सी से भरपूर होते हैं। नींबू के पौधे में पाया जाने वाला विटामिन पी आपके शरीर में रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में भी मदद करता है। साथ ही नींबू के पत्तों को एंटी-इंफ्लेमेंटरी प्रभाव के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

नींबू के फायदे तो आपने बहुत सुना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं इसकी पत्तियां भी किसी औषधी से कम नहीं होती है। नींबू के पत्ते का उपयोग आप कई तरह की बीमारियों से बचाव के लिए और इसे कंट्रोल करने के लिए कर सकते हैं। पर कई लोगों को ऐसा लगता है कि नींबू के पत्ते कड़वा होता है और किसी काम का नहीं होता। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि इन पत्तों को खाने या इनके जूस ही इन्हें केवल सूंघ लेने से भी कई तरह के फायदे होत हैं।

नींबू के पत्तों का सेवन कैसे करें?

नींबू सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसे चबाकर खाने से बचना चाहिए। इसका सेवन आप चाय में मिलाकर, जूस के रूप में कर सकते हैं।

नींबू के पत्तों म एंटीवायरल, एंटी ऑक्सीडेंट, एल्कलॉइड, टैनिन, फ्लेवोनोइड और फेनोलिक तत्व शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। इसके अलाव इसमें एंथेल्मिंटिक, एंटी-फ्लैटुलेंस, एंटीमाइक्रोबियल, एंटी-कैंसर, एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव भी पाया जाता है।

किडनी में नहीं बनने देता स्टोन

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, नींबू के पत्ते में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड किडनी में स्टोन को बनने और बढ़ने से रोकता है। ऐसे यदि आपको बार-बार किडनी में स्टोन हो जाता है तो यह आपके लिए यह किसी रामबाण से कम नहीं है।

माइग्रेन के दर्द से मिलेगी राहत

एक अध्ययन के अनुसार, नींबू के पत्ते माइग्रेन से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद होता है। दरअसल, नींबू की पत्तियों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है। माना जाता है कि एंटी-ऑक्सीडेंट प्रभाव शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करके माइग्रेन की समस्या को सुधारने का काम करता है। एक्सपर्ट माइग्रेन और मानसिक रोगों से राहत पाने के लिए नींबू के पत्तों को सूंघने की सलाह देते हैं।

सोने की समस्या को करता है खत्म

रिसर्च के अनुसार, यदि आपको रात में नींद नहीं आती है, अनिद्रा की समस्या का शिकार हैं, तो नींबू के पत्ते आपके लिए दवा का काम कर सकते हैं। इसमें मौजूद सिट्रिक एसिड और अल्कलॉइड नींद से जुड़ी समस्या को दूर करने का काम करता है। ऐसे में नींबू के पत्तियों से बनाए गए तेल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

वजन रहता है कंट्रोल

यदि आप बढ़ते वजन से परेशान हैं तो नींबू के पत्ते आपकी इस परेशानी को खत्म कर सकता हैं। माना जाता है कि नींबू के पत्ते से बने जूस में पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर होता है, जो वजन घटाने में कारगर साबित हो सकता है। नींबू के पत्तों को पानी में उबालकर उस पानी को पीएं।

पेट के कीड़ों को मारता है

मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, नींबू की पत्तियों में एंथेल्मिंटिक गुण होता है तो पेट के कीड़ों से छुटकारा दिलाने का काम करता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का उपयोग पेट के कीड़ों को खत्म करने के लिए किया जा सकता है। आप नींबू के पत्तों का रस और शहद को मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

घर पर ही करें ये एक्सरसाइज

मोटापा ना सिर्फ वॉडी शेप बिगाड़ता है बल्कि कई बीमारियां को भी न्योता देता है। मोटापे को कम करने और बॉडी को टोंड बनाने के लिए एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ में शरीर में लचीलापन और एनर्जी बढ़ती है। अगर आप जिम नहीं भी जा पाती तो घर पर ही कुछ एक्सरसाइज करें। चलिए आज हम आपको ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं जिन्हें आप घर पर आसानी से कर भी सकते हैं और इससे कैलोरी भी बर्न तेजी से बर्न होगी। वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज -

बर्पी एक्सरसाइज

बर्पी एक्सरासइज वजन कम करने के लिए बहुत असरदार है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, इस एक्सरसाइज के जरिए 81 किलो का इंसान एक बार में लगभग 15 कैलोरी बर्न कर सकता है। वहीं, 60 सेकेंड में 10 बार बर्पी करने से वजन तेजी से कम होगा लेकिन एक्सरसाइज को लगातार रुटीन में किया जाए तो।

स्विमिंग एक्सरसाइज

घुटने की किसी चोट की वजह से अगर आप एक्सरसाइज नही कर पा रहे तो स्विमिंग करना आपके लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन है। इससे एक बार में 255 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। इसके साथ बटरफ्लाई स्ट्रोक कर के 1/2 घंटे में 400 कैलोरी बर्न हो सकती है। दरअसल स्विमिंग करते समय पूरा शरीर काम करता है जिससे मोटापा तेजी से कम होता है। इसे सबसे अच्छी कार्डियो एक्सरसाइज माना जाता है।

स्क्वेट एक्सरसाइज

स्क्वाट की मदद से भी आप मोटापे को कम कर सकते हैं। सही तरीके से स्क्वेट करना काफी फायदेमंद होता है। शरीर के निचले भाग से वजन कम करने के लिए यह सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है। यह बॉडीबिल्डर और एथलीट के बीच काफी पॉपुलर है।

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक ऐसी एक्सरसाइज है जिससे आप कम समय में ज्यादा वजन कम कर सकते हैं। इससे शरीर की फैट बर्न करने की क्षमता बढ़ जाती है। कई घंटों जिम में पसीना बहाने से अच्छा यह एक्सरसाइज 20 मिनट के लिए करना ज्यादा फायदेमंद है।

जुंबा डांस एक्सरसाइज

अगर आप ज्यादा भार वाली एक्सरसाइज नही करना चाहते तो जुंबा डांस सबसे बेहतर है। यह आपकी पूरी बॉडी पर वर्क करती है। एंजॉय करने के साथ इससे आप वजन भी कम कर सकते हैं। यह तनाव कम करता है और शरीर में एनर्जी बढ़ाता है। हाई इंटेसिटी मूवमेंट की वजह से वजन जल्दी कम होता है।

पावर योगा

पावर योगा काफी असरदार है। यह ट्रेडिशनल योगा के मुकाबले जल्दी वजन कम करने में मदद करता है। इसमें ज्यादा मुश्किल योगासन होते हैं जो जल्दी-जल्दी किए जाते हैं इसलिए यह बेस्ट है।

साइकिलिंग

साइकिलिंग भी वजन कम करने का आसान और अच्छा ऑप्शन है। इससे आप काफी कैलीरी बर्न कर सकते हैं। रोजाना सुबह कम से कम लगातार आधा घंटा साइकिलिंग जरूर करें, आप पहले पहल 15 मिनट से शुरुआत कर सकते हैं।

नींद की कमी से होता है थायराइड

अगर आप ये सोचती हैं कि आप अपने बारे में सब कुछ जानती हैं तो ऐसा नहीं है। शरीर और सेहत से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें हैं, जो ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती और आज हम आपको उसी के बारे में बताएंगे। इसे पढ़ने के बाद आपको अंदाजा होगा कि कितना कुछ था जो आप अपने बारे में नहीं जानती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं वो बातें, जिसे जानना हर महिला के लिए जरूरी है।

ज्यादा कसरत से होते हैं पीरियड्स अनियमित

महिलाएं वजन कंट्रोल करने के लिए हद से ज्यादा व्यायाम करने लगती हैं लेकिन ज्यादा कसरत करने से पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप नियमित मात्रा में एक्सरसाइज करें। साथ ही कसरत के बाद शरीर में हुई पानी की कमी को दूर करने के लिए दूध का सेवन करें।

ब्रेस्ट साइज में बदलाव

माहवारी के दौरान शरीर के हॉर्मोन लेवल में उतार-चढ़ाव आते हैं, जिसका असर ब्रेस्ट साइज पर भी पड़ता है। साथ ही गर्भधारण व मेनोपॉज के दौरान भी ब्रेस्ट और निपल्स के साइज का बदलना स्वाभाविक है।

व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या

पीरियड्स के बाद होने वाले डिस्चार्ज को लेकर परेशान न हों। इसके अलावा नार्मली होने वाला डिस्चार्ज भी अगर सफेद और साफ है तो आपको टेंशन लेने की कोई जरूरत नहीं है। मगर डिस्चार्ज का रंग हल्का पीला होने या उसमें से बदबू आने पर आपको तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

कम नींद से थायरॉइड

यह तो सभी जानते हैं कि भरपूर नींद अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। मगर क्या आपको पता हैं कि 70% महिलाओं को थायराइड की समस्या नींद की कमी से होती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी पूरी नींद लें।

नाखूनों का बढ़ना

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरूषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोंस के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि उस दौरान शरीर को ज्यादा मात्रा में विटामिन डी मिलता है।

धूप के कारण होती है झुर्रियां

महिलाएं अक्सर कम उम्र में झुर्रियां पड़ने को लेकर परेशान रहती है। मगर आप यह नहीं जानती कि 80% महिलाओं में झुर्रियां अत्यधिक धूप के कारण होती हैं। इसे दूर करने के लिए महिलाएं बोटॉक्स सर्जरी का सहारा लेती हैं लेकिन आप विटामिन सी का सेवन कर झुर्रियों को दूर कर सकती हैं।

पीरियड्स का ज्यादा ब्लीडिंग है डिसमेनोरिया का संकेत

पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट में दर्द हल्का दर्द होना सामान्य है। कई बार वेजाइना का यह दर्द बर्दाशत करना मुश्किल हो जाता है। अगर हर बार इस तरह की तकलीफ हो रही है तो वह डिसमेनोरिया का संकेत हो सकता है। यह वुमेन हेल्थ कंडीशन है जो 7 में से 1 महिला को हो सकती है।

महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा होती है नींद की जरूरत

महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, जिसकी वजह से वो घर व ऑफिस में मेंटल एनर्जी का पुरुषों से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। अगर वो भरपूर नींद न लें तो खपत हुई ऊर्जा को दोबारा बनाए रखने में बहुत परेशानी होती है। धीरे-धीरे इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है इसलिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

क्या है के पॉप डाइट

फिट और स्लिम रहने की चाह हर व्यक्ति की होती है, लेकिन आजकल का बिजी लाइफस्टाइल, खान-पान से जुड़ी बुरी आदतें और वर्कआउट की कमी के चलते यह सपना बहुत कम ही लोगों का पूरा हो पाता है। ऐसे में कई बार लोग अपने बढ़े हुए वजन से छुटकारा पाने के लिए खाना-पीना ही बंद कर देते हैं। जिसकी वजह से शरीर कमजोर होकर कई रोगों का घर बनने लग जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो कोरियन वेट लॉस डाइट आपकी मदद कर सकती है। दुनिया भर में लोग कोरियाई ब्यूटी टिप्स और उनके डाइट प्लान के दिवाने हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या होती है यह कोरियन 'के पॉप डाइट' और क्या हैं इसके फायदे।

क्या है के-पॉप डाइट?

कोरियन डाइट या के-पॉप डाइट आजकल लोगों के बीच काफी चर्चा में बनी हुई है। इस डाइट की मदद से व्यक्ति बड़ी आसानी से अपना वजन कम कर सकता है। दरअसल, कोरियन डाइट में मील्स के बीच में स्नैक्स नहीं लिए जाते। इस डाइट में फैटी एसिड, शुगर या प्रोसेस्ड फूड को भी शामिल नहीं किया जाता है। के-पॉप डाइट में खाने को कम से कम प्रोसेस किया जाता है ताकि उसके गुण सुरक्षित रहें। इसमें ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है और शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ ही स्किन अच्छी होती है।

कोरिया की के-पॉप डाइट में क्या होता है

कोरियन डाइट में ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है लेकिन शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। डाइट फॉलो करनेवाले लोगों को आहार में कम कैलोरी वाले फूड्स जैसे-फल, सब्जियां, सूप और सलाद शामिल करना चाहिए, जो पौष्टिक होने के साथ पेट भरते हों। इसके अलावा डाइट में लीन मीट (चिकन), अंडे, टोफू, मशरूम और शिताके भी शामिल कर सकते हैं।

कोरियन डाइट प्लान के नियम

- कोरियन वेट लॉस डाइट प्लान में तय सीमा में कैलोरी लेने की सलाह नहीं दी जाती है। इस डाइट में व्यक्ति अपनी मर्जी से कैलोरी ले सकता है। इस डाइट प्लान में व्यंजनों, सूप और सब्जियों के ज्यादा से ज्यादा सेवन की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट प्लान के साथ ज्यादा से ज्यादा योग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट को फॉलो करने वाले लोग दिन में 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद भी जरूर लें।

के-पॉप डाइट के फायदे

- कोरियन डाइट में फाइबर की अधिकता होने से पेट भरा हुआ लगता है, जिससे व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती। कैलोरीज का सेवन कम करने की वजह से वजन कम करने में मदद मिलती है।
- हल्का खाने से आपको कब्ज या पेट दर्द जैसी समस्या नहीं होती। इसमें हल्का खाना होता है जिससे पेट को आराम मिलता है।
- इस डाइट में प्रोटीन ज्यादा लिया जाता है। जो बालों की ग्रोथ के लिए अच्छा माना जाता है। कोरियन डाइट लेने से आपके बालों को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं जिससे बाल लंबे और घने बनते हैं।
- इस डाइट में आप तली हुई चीजें, फास्ट फूड या तेल का इस्तेमाल नहीं करते जिसके चलते चेहरे पर मुंहासों की समस्या से निजात मिलता है।

लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर पाया जा सकता है काबू

आजकल के ज्यादातर लोगों में सबसे गंभीर बीमारी हार्ट अटैक सामने आ रही है। अगर देखा जाए तो इस बीमारी की कोई उम्र सीमा नहीं हैं। यह बीमारी हमारे जीवनशैली यानी हमारे लाइफस्टाइल की वजह से होती हैं।

तनाव इस बिमारी की मुख्य वजह हैं। इस बीमारी का शिकार लोगों का ईलाज में लाखों रुपए लग जाते है। वहीं इस बीमारी का ईलाज आप 60 सेकंड में घर में भी कर सकते है वो भी मिर्च से। जी हां, मिर्च ऐसी चीज है अगर खाने में ना हो खाना ही बेस्वाद लगता है। और अगर यह खाने में ज्यादा हो जाए तो भी खाने वाले का बुरा हाल। अब बताते है कि लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर केवल 60 सेकंड में काबू पाया जा सकता हैं। दरअसल एक मशहूर डॉक्टर जॉन क्रिस्टोफर का कहना हैं की, मैंने आज तक जितने भी हार्ट अटैक मरीजो के घर गया हूं उनमे से कोई भी मरा नहीं हैं। मैं उन्हें लाल मिर्च की चाय पिलाता हूं (एक कप गर्म पानी में एक चम्मच लाल मिर्च) और वह मिंटो में अपने पैरो पर खडे हो जाते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

नीतीश-तेजस्वी की मुलाकात के बाद अचानक पटना पहुंचे नड्डा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने हाल में ही मुलाकात की थी। यह मुलाकात 8 महीने के बाद हुई थी। इस मुलाकात के बाद लगातार राजनीतिक गलियारों में नीतीश कुमार के अगले कदम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थी। हालांकि, भाजपा और जदयू की ओर से बार-बार यह दावा किया जाता है कि हमारा गठबंधन मजबूत है और हम एकजुट होकर सरकार चला रहे हैं। इन सब के बीच बिहार को कई बड़े तोहफा देने के लिए शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंचे हैं। पटना पहुंचने के साथ ही उन्होंने सबसे पहले नीतीश कुमार के आवास का रुख किया। वहां नीतीश कुमार से मुलाकात हुई। इस दौरान बिहार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, दोनों उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी तथा स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे मौजूद रहे। इस मुलाकात के बाद जिस तरीके की तस्वीर सामने आई है, उसे साफ तौर पर लग रहा है कि अच्छे माहौल में बातचीत हुई है।

नीतीश राजद पर जमकर बरसे सियासी चर्चे पर भी लगा विराम

पटना। नीतीश कुमार से पिछले दिनों तेजस्वी यादव ने सचिवालय में मुलाकात की तो तरह-तरह के कयास लगाए जा लगे थे। पार्टी नेताओं को सफाई देनी पड़ रही थी। वहीं शुक्रवार को खुद सीएम नीतीश कुमार ने ही तमाम कयासों को विराम दे दिया है और साफ कर दिया है कि वो एनडीए के साथ ही मजबूती से रहेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ पटना में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम में सीएम ने संबोधन के दौरान ये बातें कहीं। सीएम नीतीश कुमार इस दौरान राजद पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि हम दो बार इधर-उधर हुए ये गलती हुई। बाद में हटा दिए। अब कभी इधर-उधर नहीं करेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग (भाजपा व जदयू) पुराने समय से साथ रहे हैं। हमलोग 1995 से साथ रहे हैं। जबकि उन लोगों ने (राजद) कोई काम नहीं किया। लेकिन अब बिहार और दिल्ली के अखबार में छपता रहता है। जबकि हमलोग ही मिलकर काम किए हैं। नीतीश कुमार ने भाजपा और जदयू के साथ रहने की बात कही।

आप विधायक राजेंद्र पाल गौतम कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। हरियाणा में गठबंधन की बातचीत के बीच, आम आदमी पार्टी (आप) को राष्ट्रीय राजधानी में बड़ा झटका लगा है। उसके मौजूदा विधायक और पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम शुक्रवार (6 सितंबर) को कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली में अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन पर चर्चा होने की उम्मीद है। सीमापुरी से आप विधायक राजेंद्र पाल गौतम दो बार चुने गए हैं और पहले दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके हैं। उनके पास एससी-एसटी, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास सहित विभाग थे। हालाँकि, उनके द्वारा हिंदू देवी-देवताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद विवाद खड़ा हो गया, जिसकी व्यापक प्रतिक्रिया हुई। परिणामस्वरूप, अरविंद केजरीवाल ने उन्हें मंत्री पद से हटा दिया, जिससे गौतम पार्टी से असंतुष्ट हो गए।

राजेन्द्र पाल के कांग्रेस में शामिल होने पर भाजपा का तंज

नईदिल्ली। शुक्रवार को आप विधायक और केजरीवाल कैबिनेट में मंत्री रहे राजेंद्र पाल गौतम कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। यह कार्रवाई सीमापुरी विधायक के आप के इस्तीफे के जवाब में हुई, जिसके दौरान उन्होंने सामाजिक न्याय की लड़ाई को तेज करने की इच्छा व्यक्त की थी। यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है क्योंकि यह तब हुआ जब कांग्रेस पार्टी और आम आदमी पार्टी आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए गठबंधन पर चर्चा कर रहे थे। पार्टी नेता पवन खेड़ा, दिल्ली प्रमुख देवेंद्र यादव और महासचिव केसी वेणुगोपाल की उपस्थिति में गौतम कांग्रेस के सदस्य बने। हालांकि, इसको लेकर कांग्रेस पर भाजपा हमलावर हो गई है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की बार बार सनातन धर्म का, हिन्दू देवी देवताओं का अपमान करने के दोषी अरविंद केजरीवाल के निकटस्थ सहयोगी एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम को आज कांग्रेस में शामिल करना कांग्रेस नेतृत्व एवं राहुल गांधी को मुबारक हो।

धनखड़ ने स्वीकार किया सांसद सुजीत कुमार का इस्तीफा

नईदिल्ली। नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल (बीजेडी) ने शुक्रवार को राज्यसभा सांसद सुजीत कुमार को उनकी कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया। सुजीत कुमार आज दिन में भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले हैं। इस बीच, भारत के उपराष्ट्रपति के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि जगदीप धनखड़, जो राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने राज्य सभा (राज्यसभा) से सुजीत कुमार का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। यह संविधान के अनुच्छेद 101 3(बी) के अनुरूप है। राज्यसभा के सभापति को लिखे अपने इस्तीफे में सुजीत कुमार ने लिखा, मैं राज्यसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। मैंने यह फैसला सोच-समझकर लिया है। राज्यसभा से इस्तीफा देने के तुरंत बाद बीजेडी ने एक आदेश जारी कर सुजीत कुमार को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया।

कांग्रेस में शामिल हुए विनेश और बजरंग पुनिया

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे बोले- चक दे इंडिया, चक दे हरियाणा

नईदिल्ली। हरियाणा में 5 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। रिपोर्टों के अनुसार, बजरंग पुनिया विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे क्योंकि उन्हें आगामी चुनावों के लिए हरियाणा कांग्रेस की अभियान समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने की संभावना है। वहीं विनेश फोगाट चुनाव लड़ेंगी। हालांकि उनकी सीट जल्द ही फाइनल हो जाएगी। कांग्रेस में शामिल होने से पहले, फोगाट और पुनिया ने भारतीय रेलवे में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।

विनेश फोगाट ने इस दौरान कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को धन्यवाद देती हूं। कहते हैं ना कि बुरे वक्त में पता लगता है कि अपना कौन है। जब हमें सड़क पर घसीटा जा रहा था तो बीजेपी को छोड़कर सभी पार्टियां हमारे साथ थीं। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं ऐसी पार्टी में शामिल हुई हूं जो महिलाओं के साथ खड़ी है और सड़क से संसद तक लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि लड़ाई जारी है, अभी खत्म नहीं हुई है। यह कोर्ट में है। हम वह लड़ाई भी जीतेंगे। आज जो नया मंच हमें मिल रहा है, उससे हम देश की सेवा के लिए काम करेंगे।% उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमने अपना खेल दिल से खेला, हम अपने लोगों के लिए काम करने में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। मैं अपनी बहनों को बताना चाहता हूं कि मैं उनके साथ हूं।% अगर आपके लिए कोई नहीं होगा तो मैं वहां रहूंगा, कांग्रेस पार्टी वहां रहेगी. मैंने इसे महसूस किया है, और मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हम निश्चित रूप से वहां पहुंचेंगे।

इससे पहले दिन में, फोगाट और पुनिया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से नई दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि चक दे इंडिया, चक दे हरियाणा! दुनिया में भारत का नाम

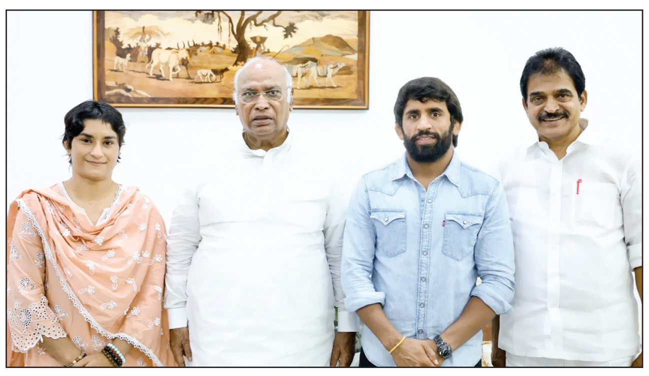

रौशन करने वाले हमारे प्रतिभाशाली चैंपियन विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया से 10 राजाजी मार्ग पर मुलाक़ात। हमें आप दोनों पर गर्व है। दोनों के कांग्रेस में शामिल होते समय पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, पार्टी नेता पवन खेड़ा, हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान और हरियाणा के एआईसीसी प्रभारी दीपक बाबरिया मंच पर मौजूद रहे।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर फोगाट और पुनिया के साथ राहुल गांधी की एक तस्वीर साझा की। पूनिया तोक्यो ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता हैं, जबकि फोगाट ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला पहलवान बनीं। हालांकि उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग के वजन में लगभग 100 ग्राम वजन अधिक पाए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था। बाद में उन्होंने खेल से संन्यास की घोषणा की।

पूनिया और फोगाट 2023 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों पर 5 अक्टूबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी।

कांग्रेस में शामिल होने से पहले विनेश फोगाट ने छोड़ी रेलवे की नौकरी

नईदिल्ली। कांग्रेस में शामिल होने से पहले विनेश फोगाट ने रेलवे की नौकरी छोड़ दी। रेलवे की नौकरी छोड़ने की जानकारी फोगाट ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी। उन्होंने एक लेटर शेयर करते हुए लिखा- भारतीय रेलवे की सेवा मेरे जीवन का एक यादगार और गौरवपूर्ण समय रहा है। जीवन के इस मोड़ पर मैंने स्वयं को रेलवे सेवा से अलग करने का फैसला लिया है। अपना त्यागपत्र भारतीय रेलवे के सक्षम अधिकारियों को सौप दिया है। राष्ट्र की सेवा में रेलवे द्वारा मुझे दिये गये इस अवसर के लिए मैं भारतीय रेलवे परिवार की सदैव आभारी रहूंगी। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि विनेश फोगाट को दादरी से कांग्रेस चुनावी मैदान में उतार सकती है जबकि बजरंग पूनिया बादली से टिकट मांग रहे हैं, लेकिन कांग्रेस की ओर से किसी भी तरह का बयान इस सीट को लेकर नहीं आया है। जाट बहुल सीट से कांग्रेस पूनिया को उतार सकती है। कुछ दिन पहले विनेश फोगाट ने पंजाब-हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पहुंचकर किसानों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को उनकी मांगों पर ध्यान देना चाहिए।

अमित शाह ने जारी किया भाजपा का मेनिफेस्टो

■ **बोले- धारा 370 पास्ट बन चुका है, कभी नहीं लौट सकता**

श्रीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। जम्मू-कश्मीर बीजेपी प्रमुख रविंदर रैना और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद हैं। सभा को संबोधित करते हुए, अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद से जम्मू-कश्मीर हमारी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण रहा है। हमने सदैव इस भूमि को भारत के पास अक्षुण्ण रखने का प्रयास किया है। हमारी पार्टी का मानना है कि जम्मू-कश्मीर हमेशा से भारत का हिस्सा रहा है और रहेगा। 2014 तक जम्मू-कश्मीर हमेशा अलगाववाद और आतंकवाद के साये में रहा।

अमित शाह ने कहा कि विभिन्न राज्य और गैर-राज्य कर्ताओं ने राज्य को अस्थिर बनाए रखा। सभी सरकारों ने राज्य के साथ तुष्टिकरण की नीति अपनाई। जब भी जम्मू-कश्मीर का इतिहास लिखा जाएगा, 2014 के बाद के ये दस साल राज्य के लिए स्वर्णिम काल के रूप में अंकित होंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से जम्मू-कश्मीर हमारी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण रहा है। हमने हमेशा इस भूमि को भारत के साथ बरकरार रखने की कोशिश की है। हमारी पार्टी का मानना है कि जम्मू-कश्मीर हमेशा भारत का हिस्सा रहा है और रहेगा।

शाह ने कहा कि 2014 तक जम्मू-कश्मीर हमेशा अलगाववाद और आतंकवाद के साये में रहा। विभिन्न राज्य और गैर-राज्य कर्ताओं ने राज्य को अस्थिर बनाए रखा। सभी सरकारों ने राज्य के साथ तुष्टिकरण की नीति अपनाई। जब भी जम्मू-कश्मीर का इतिहास लिखा जाएगा, 2014 के बाद के ये दस साल राज्य के लिए स्वर्णिम काल के रूप में अंकित होंगे। उन्होंने कहा कि मैंने एनसी (नेशनल कॉन्फ्रेंस) का एजेंडा देखा है। मैंने एनसी के एजेंडे के प्रति कांग्रेस का मूक समर्थन भी देखा है। लेकिन, मैं देश से कहना चाहता हूं कि धारा 370 इतिहास है, ये कभी वापस नहीं आएगी और हम ऐसा नहीं होने देंगे। अनुच्छेद 370 ही वह चीज थी जिसने युवाओं के हाथों में हथियार और पत्थर दिए।

शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 के कारण आरक्षण संभव नहीं था; महिलाओं, दलितों और आदिवासियों को अन्याय का सामना करना पड़ा। हालाँकि, पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आरक्षण की शुरुआत की। अब ओबीसी का आरक्षण बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ी आरक्षण से वंचित रहे। और आज, हमने मोदी सरकार के तहत इन वर्गों को आरक्षण देना शुरू कर दिया है। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि पहले यहां डेमोक्रेसी तीन परिवारों में ही सीमित होकर रह गई थी। ना पंचायत चुनाव होते थे, ना तहसील पंचायतें बनती थी, ना जिला पंचायतें होती थीं। भाजपा की सरकार ने ग्राम पंचायत, तहसील पंचायत, जिला पंचायत और म्यूनिसिपल्टी का चुनाव कराकर पंचायती राज को बहाल करने का काम किया है और लोकतंत्र को प्रस्थापित किया है। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी जी से पूछना चाहता हूं कि आप देश और जम्मू-कश्मीर की जनता के सामने स्पष्ट करिए, आपके मौन धारण करने से कुछ नहीं होगा। क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस के एजेंडा साथ कांग्रेस पार्टी सहमत है या नहीं? आप हां या ना में जवाब दीजिए।

जम्मू-कश्मीर चुनाव में शुरू हुई बुलडोजर की चर्चा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे है। इन सब के बीच जम्मू-कश्मीर चुनाव बुलडोजर की चर्चा शुरू हो गई है। जेकेएनसी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल में लोगों को संबोधित किया। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जिस तरह से यूपी में मुसलमानों के घरों और दुकानों पर बुलडोजर की कार्रवाई हो रही है, परसों सुप्रीम कोर्ट ने उसका निरीक्षण किया और बताया कि यह गैरकानूनी है। उन्होंने कहा कि यूपी में जिस तरह से मस्जिदें और मदरसे बंद किये जा रहे हैं, वो तथ्य हमसे छुपे नहीं हैं। उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया जा रहा है कि हर बार बीजेपी के आदेश पर मुसलमानों को बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में, जब भी बीजेपी सत्ता में होती है, हमारी माताओं और बहनों को स्कूलों और विश्वविद्यालयों में जाने के लिए हिजाब हटाने के लिए कहा जाता है। हमें जम्मू-कश्मीर को उन शक्तियों से बचाने की जरूरत है जो यहां वैसी ही स्थिति पैदा करना चाहते हैं। उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को दावा किया कि भाजपा शासित केंद्र सरकार उन्हें चुप कराने के प्रयास के तहत जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में उनके खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार उतार रही है।

खेल
प्रमुख समाचार

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग के फाइनल में क्वालिफाई किया

नई दिल्ली। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने प्रतिष्ठित डायमंड लीग की 14 सीरीज के बाद समग्र तालिका में चौथे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। डायमंड लीग का फाइनल 13 और 14 सितंबर को ब्रुसेल्स में होगा। इस प्रतियोगिता के साथ ही एथलेटिक्स में इस सत्र का समापन भी होगा।

नीरज डायमंड लीग के दोहा और लुसाने चरण में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने कुल 14 अंक अर्जित किए। उन्होंने गुरुवार को ज्यूरिख में आखिरी सीरीज में भाग नहीं लिया था। यह 26 वर्षीय खिलाड़ी चेक गणराज्य के तीसरे नंबर पर रहने वाले जैकब वादलेच से दो अंक पीछे रहे। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मन स्टार जूलियन वेबर क्रमश: 29 और 21 अंकों के साथ शीर्ष दो स्थानों पर रहे। ज्यूरिख प्रतियोगिता में पीटर्स ने वेबर को पीछे छोड़ दिया था।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले नीरज इस सत्र में फिटनेस से जूझ रहे थे। हरियाणा के खिलाड़ी ने कहा है कि ओलंपिक खेलों से पहले से ही उनकी कमर की चोट उन्हें परेशान कर रही है जो 90 मीटर का आंकड़ा छूने की उनकी राह में बाधा बन रही है। नीरज डायमंड लीग के लुसाने चरण में पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। पीटर्स ने तब 90.61 मीटर थ्रो किया था। पेरिस ओलंपिक में पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। नीरज ने पिछले महीने अपनी आगे की योजना के बारे में कहा था, सबसे पहले मुझे चिकित्सक के पास जाकर अपनी कमर को पूरी तरह से फिट बनाना है। मुझे अपनी तकनीक पर भी काम करना है जिसके बाद मैं दूर तक फेंकने की कोशिश करूंगा। नीरज ने 2022 और 2023 में डायमंड लीग के लुसाने चरण में जीत दर्ज की थी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

निफ्टी, सेंसेक्स के सभी सेक्टर लाल निशान में बंद

नईदिल्ली। शेयर बाजार में आज जबरदस्त गिरावट देखने को मिली। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स लगातार चौथे दिन और एनएसई का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी बीएसई आज 1017.23 अंक यानी 1.24% की गिरावट के साथ 81,183.93 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 50 भी 292.95 अंक या 1.17% की गिरावट के साथ 24,852.15 के लेवल पर बंद हुआ। बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज शेयर बाजार बंद होने के बाद 460.59 लाख करोड़ रुपये देखा गया। जो पिछले कारोबारी दिन के मार्केट कैप के लिहाज से 5.5 लाख करोड़ रुपये की गिरावट है। निवेशकों ने जमकर शेयरों की बिकवाली की। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल में अमेरिकी नौकरियों की रिपोर्ट में गिरावट देखने को मिली। नौकरियों के आंकड़े इस बात को तय करते हैं कि दरों में कटौती कितनी होगी।

कारोबार संबंधी सुधारों को लागू करने में यूपी अव्वल

नईदिल्ली। कारोबार संबंधी सुधारों को लागू करने के मामले में उत्तर प्रदेश ने देश के सभी राज्यों के मुकाबले अव्वल नंबर हासिल किया है। उत्तर प्रदेश बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान (बीआरएपी) 2022 में टॉप अचीवर राज्य बनकर उभरा है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को बीआरएपी में टॉप अचीवर का दर्जा दिया गया। उत्तर प्रदेश ने बीआरएपी 2022 में दो व्यवसाय केंद्रित तथा एक नागरिक केंद्रित क्षेत्र में 'टॉप अचीवर' का दर्जा हासिल किया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी-इन्वेस्ट यूपी, उत्तर प्रदेश में बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान (बीआरएपी) के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी नोडल एजेंसी है व मुख्य कार्यपालक अधिकारी इसके नोडल अधिकारी हैं।

डिपॉजिट्स घटने पर घमासान बैंकों के निशाने पर म्यूचुअल फंड

नईदिल्ली। डिपॉजिट की वृद्धि रफ्तार कम होने पर देश के बैंक और म्यूचुअल फंड इंडस्ट्रीज में घमासान मचा हुआ है। बैंकों में डिपॉजिट का लेवल घटता जा रहा है, जबकि सिस्टमैटिक इन्वेंस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंडों में निवेशकों द्वारा किए जाने वाले डिपॉजिट में लगातार तेजी आ रही है। इस वजह से बैंकों के कामकाज लोन डिस्ट्रिब्यूशन पर सीधा असर दिखाई दे रहा है। हाल के दिनों में बैंकों की डिपॉजिट वृद्धि में आ रही कमी पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने चिंता जाहिर की थी। इसके बाद गुरुवार को मुंबई में इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) के कार्यक्रम में उसके चेयरमैन मातम वेंकट राव (एमवी राव) देश के बैंकर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री पर बरस पड़े। राव ने कहा कि आसान नियमों की वजह से म्यूचुअल फंड कंपनियां निवेशकों को अधिक रिटर्न दे रही हैं। इस कारण रिटेल इन्वेस्टर्स बैंकों में अपने पैसों को जमा नहीं कर रहे हैं।

हरतालिका तीज पर महंगा हो गया सोना

नईदिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत रुख की वजह से घरेलू सर्राफा बाजार में हरतालिका तीज की पूर्व संध्या पर गुरुवार 5 सितंबर 2024 को सोना-चांदी के भाव बढ़ गए। ऑल इंडिया बुलियन एसोसिएशन (आईबीए) की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 500 रुपये बढ़कर 74,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। बुधवार को सोना 73,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपये बढ़कर 84,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। इससे पहले 4 सितंबर 2024 को चांदी 83,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सर्राफा बाजार में 99.5 प्रतिशत शुद्ध सोने का भाव 500 रुपये की तेजी के साथ 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जो गुरुवार को 73,250 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

अमेरिकी स्वप्न का अंत निकट तो नहीं

(गतांक से आगे...)

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिका में जब प्रथम राष्ट्रपति ने शपथ ली थी उस समय 10 श्रमिकों में से 9 श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत थे (छोटे कृषक) जबकि आज केवल 2 प्रतिशत श्रमिक ही कृषि क्षेत्र में कार्य करते हैं। इस प्रकार अमेरिका में रोजगार की दृष्टि से कृषि एवं उद्योग क्षेत्र में बहुत अधिक संकुचन हुआ है।

1950 के दशक से लेकर अमेरिका में स्टील उद्योग, कपड़ा उद्योग (वस्त्र, परिधान एवं टेक्सटाइल), उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग लगभग समाप्त से हो गए हैं। वाहन उद्योग के क्षेत्र की बड़ी बड़ी कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां चीन आदि देशों में स्थापित की हैं। साथ ही, जापान की कई कम्पनियों ने वाहन के क्षेत्र में अमेरिका में आकर अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना की है। इस प्रकार, कुल मिलाकर उक्त उद्योगों में अमेरिकी मूल के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर बहुत कम हो गए हैं अथवा बिलकुल ही समाप्त हो गए हैं। अमेरिका में उपयोग हो रहे स्मार्ट सेल फोन के 50 प्रतिशत से अधिक उपकरण आयात किए जा रहे हैं एवं इनका उत्पादन अमेरिका में नहीं हो रहा है।

ब्यूरो आफ लेबर स्टेटिस्टिक्स- मासिक लेबर रिव्यू दिसम्बर 2016 के अनुसार, अमेरिका में प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर- वर्ष 1947 में 5.35 अमेरिकी डॉलर थी जो वर्ष 1973 में बढ़कर 9.26 अमेरिकी डॉलर हो गई। परंतु, उसके बाद से लगभग उसी स्तर पर बनी हुई है जो वर्ष 2015 में 9.07 अमेरिकी डॉलर थी। वर्ष 1947 से 1973 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 73 प्रतिशत से बढ़ी थी जबकि इसी दौरान उत्पादकता में 95 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

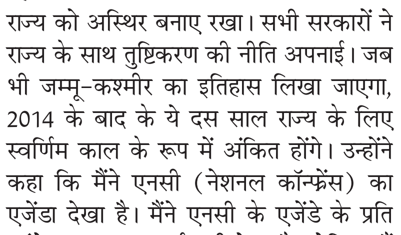

वहीं वर्ष 1973 से 2015 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 3 प्रतिशत कम हुई है और उत्पादकता 109 प्रतिशत बढ़ी है। इस बीच रोजगार के नए अधिकतम अवसर उच्च मजदूरी वाले क्षेत्रों से घटकर कम मजदूरी वाले क्षेत्रों में बढ़े हैं। जैसे विनिर्माण इकाईयों के बंद होने से भारी संख्या में श्रमिक वर्ग को सेवा क्षेत्र में कम मजदूरी के रोजगार स्वीकार करने पड़े है। वर्ष 1979 के बाद से 40 प्रतिशत से अधिक रोजगार के अवसर विनिर्माण क्षेत्र में कम हुए हैं। साथ ही, तकनीकी विकास ने भी उत्पादकता तो बढ़ाई है परंतु मजदूरी की दरें नहीं बढ़ पाई हैं।

अमेरिका में समय के साथ साथ विनिर्माण इकाईयां बंद होती गईं एवं उच्च तकनीकी, सूचना आधारित सेवा क्षेत्र में, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में, रोजगार के अधिक अवसर उभरते गए। अब तो बहिस्त्रोतन (आउट्सॉर्सिंग) के चलते सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। अत: अमेरिका में आने वाले समय में विनिर्माण इकाईयों के साथ साथ सेवा क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है। अमेरिका में गरीबी रेखा का निर्धारण अमेरिका के कृषि विभाग द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है। वर्ष 2015 में गरीबी आंकलन के लिए प्रत्येक चार व्यक्तियों के परिवार के लिए प्रतिवर्ष 24,300 अमेरिकी डॉलर की आय तय की गई थी। इससे कम आय वाले परिवार गरीबी रेखा के नीचे माने जाते हैं। आय की उक्त गणना के आधार पर अमेरिका में 13.5 प्रतिशत परिवार (4.31 करोड़ अमेरिकी नागरिक) गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे थे।

एक अनुमान के अनुसार, अमेरिका में तीन से साढ़े तीन करोड़ नागरिक स्थायी निम्नवर्ग की श्रेणी में आते हैं, जो अमेरिका की कुल 32.5 करोड़ जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। प्रत्येक 5 अमेरिकी बच्चों में से एक बच्चा गरीब वर्ग का है। इतना अधिक खर्च करने के बाद भी अमेरिका में सामाजिक सहायता व्यवस्था अन्य अमीर एवं विकसित देशों की तुलना में कमतर ही मानी जाती है।

अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों में इस प्रकार के हालात देख कर अब तो कई अर्थशास्त्रियों द्वारा आर्थिक विकास के पूंजीवादी मॉडल पर ही प्रश्नचिन्ह लगाया जाने लगा है एवं यह कहा जा रहा है कि कहीं अमेरिकी स्वपन का अंत निकट तो नहीं है।

बस्तर के आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं हो उपलब्धः जायसवाल

नवीन सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल के निर्माण कार्य को दो माह में करें पूर्ण

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बस्तर के आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो। इस हेतु शासन हर आवश्यक संसाधन तत्काल उपलब्ध कराने को तत्पर है। उन्होंने नवीन सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल के निर्माण कार्य को दो माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल के निर्माण कार्य हेतु दस करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि की स्वीकृति दी। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल की अध्यक्षता में स्व.श्री बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के काउन्सिल हॉल में स्वशासी समिति की बैठक आयोजित थी।

मंत्री ने कहा कि अस्पताल में मरीजों की हेल्प डेस्क में हॉस्पिटालिटी मैनेजमेंट से संबंधित व्यक्तियों को रखे, अस्पताल की सुरक्षा में पूर्व सैनिक के नेतृत्व सिक्योरिटी की व्यवस्था हो, सीसीटीवी की व्यवस्था, आपातकाल के लिए हर कमरा में अलार्म की व्यवस्था, आधारभूत संरचना, मानव संसाधन के प्रस्ताव देने के निर्देश दिए। स्वशासी समिति की बैठक में मानव संसाधन स्वीकृत सेटअप के आधार पर रिक्त पद, आवश्यक जांच-उपकरणों की कमी, एएमसी- सीएमसी हेतु आवश्यक अतिरिक्त बजट, नवीन सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल डिमरापाल में मानव संसाधन की भर्ती एवं आवश्यक संसाधन बिन्दुओं पर चर्चा किया गया। इसके अलावा छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ने के पश्चात् हॉस्टल की क्षमता में वृद्धि करने, लेक्चर थियेटर, स्टॉफ क्वार्टर्स की आवश्यकता, बायो-मेडिकल वेस्ट के निपटान, युटिलिटी सेण्टर, कैन्टिन के निर्माण, छात्र-छात्राओं हेतु व्यायाम शाला, स्वशासी मद के आय-व्यय पर चर्चा किया गया। इसके अलावा चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय डिमरापाल जगदलपुर के अंतर्गत आवश्यक संसाधनों के विषय पर भी चर्चा किया गया। निरीक्षण के दौरान सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण देव, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, एसीएस मनोज पिंगुआ, एनएचएम मिशन संचालक जगदीश सोनकर, कलेक्टर विजय दयाराम के., पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा उपस्थित थे।

मुंगेली में जल्द खुलेगा मेडिकल कॉलेज:साव

रायपुर/मुंगेली। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आने वाले समय में मुंगेली में मेडिकल कॉलेज खुलने का भरोसा दिया है. उन्होंने कहा कि इसकी प्रक्रिया जारी है. इस संबंध में शासन की ओर से जिला प्रशासन को स्थल चयन के लिए करीब 2 माह पूर्व पत्र भेजा गया था, जिसके लिए राजस्व विभाग की कवायत जारी है. डिप्टी सीएम अरुण साव ने अपने गृह जिला मुंगेली में प्रवास के दौरान जिला अस्पताल मुंगेली का दौरा मुआयना कर अस्पताल प्रबंधन व डॉक्टरों से उपलब्ध संसाधन एवं सुविधाओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की.

इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जिला अस्पताल में जरूरी उपकरणों एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों कती मांग की, जिसे डिप्टी सीएम ने स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर से बात कर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए. वहीं जिला अस्पताल जर्जर पहुंच मार्ग को सुधारने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय निकाय चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस के पदाधिकारियों की हुई नियुक्ति के सवाल पर कहा कि ये कांग्रेस का अंदरूनी मामला है. लेकिन एक बात निश्चित है कि कांग्रेस की देश और राज्य में दिन ब दिन स्थिति खराब हो रही है.

चाहिए सौ एकड़ जमीन

मुंगेली में मेडकिल कॉलेज के साथ ही छात्रावास, ट्रामा सेंटर सहित पूरे सेटअप के लिए करीब 100 एकड़ की जमीन चाहिए. जमीन चिन्हाकित होने के बाद छत्तीसगढ़ सरकार मेडिकल कॉलेज का प्रस्ताव भेजेगी. मुंगेली में स्थल चयन के लिए मंत्रालय से लेकर जिला मुख्यालय तक पत्राचार जरूर शुरू हुआ, लेकिन दो माह बाद भी स्थल चयन नहीं हो पाया है. अब यह प्रशासन पर है कि वह कब तक जमीन चिन्हांकित कर पाता है.

राजनीति के अपराधीकरण की शुरुआत करने के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : गुप्ता

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने दो टूक कहा है कि देश में राजनीति के अपराधीकरण की शुरुआत करने के लिए सिर्फ, और सिर्फ कांग्रेस ही जिम्मेदार है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर तीखा हमला बोलते हुए गुप्ता ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता राष्ट्रवाद के लिए लिए सतत समर्पित रहते हैं और हमारा अपराधों से कोई लेना-देना नहीं रहता। नैना साहनी, जेसिका लाल हत्याकांड से लेकर छत्तीसगढ़ के पखांजूर में कांग्रेस नेता द्वारा भाजपा नेता की हत्या कर दिए जाने का जिक्र करते हुए गुप्ता ने कहा कि बैज को पहले अपनी कांग्रेस के आपराधिक राजनीतिक चरित्र पर नजर डाल लें।

भाजपा के सदस्यता अभियान से कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की नींद उड़ गई है- भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गुप्ता ने कहा कि बैज को यह नहीं भूलना चाहिए कि उनकी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा था, कांग्रेस में स्लीपर सेल के लोग सक्रिय हैं। तो बैज बताएँ कि अपराधी किस पार्टी में हैं? भ्रष्टाचार से जुड़े कई मामलों में कांग्रेस के नेताओं की संलिप्तता है, तो बैज को बताना चाहिए कि अपराधियों की पार्टी कौन है? गुप्ता ने कहा कि वास्तव में भाजपा के सदस्यता अभियान को मिल रहे जबर्दस्त रिस्पॉन्स से दीपक बैज, भूपेश बघेल, राहुल गांधी सहित कांग्रेस के सभी दिग्गज नेताओं की नींद उड़ गई है। केवल तीन दिनों में देशभर में एक करोड़ से ज्यादा लोग भाजपा के सदस्य बने हैं तो क्या दीपक बैज एक करोड़ देश की जनता को अपराधी मानते हैं? गुप्ता ने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी, समाजसेवा करने वाली विश्व की सबसे बड़ी एक लोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी है जिसके नेताओं ने देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपनी जान निछावर कर दी। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारत को एक रखने के लिए, अखंड भारत की स्थापना के लिए कांग्रेस से लड़ते-लड़ते अपनी जान दे दी। हम राष्ट्रवादी लोग हैं, हमारा अपराध से कोई लेना-देना नहीं है। बैज अपनी कांग्रेस की चिंता करें, जिसके राष्ट्रीय से लेकर प्रदेश स्तर के नेता कई मामलों में जेल जाकर आजकल बेल पर घूम-घूमकर अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।

कांग्रेस में कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न की परंपरा : देवलाल ठाकुर

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को प्रदेश कांग्रेस के निष्क्रिय जिला अध्यक्षों को बदले जाने की बात कहने पर आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि कांग्रेस आज भी लोकतंत्र के साथ किस तरह खिलवाड़ कर रही है, यह इससे आईने की तरह साफ हो गया है। ठाकुर ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में करारी हार की कोई जिम्मेदारी नहीं ले रहा है और निचले स्तर पर हार का ठीकरा फोड़े जाने की तैयारी चल रही है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि ढेर सारे गुटों में बँटी कांग्रेस में मचे घमासान के बीच डेढ़ दर्जन जिला अध्यक्षों को बदले जाने की बात कहकर बैज ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि कांग्रेस लोकतंत्र के नाम पर जुबानी जमाखर्च तो खूब कर लेती है, लेकिन निष्क्रियता के मापदंड तय करते हुए कांग्रेस नेतृत्व कतई पारदर्शी नहीं है। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस में लोकतंत्र का खात्मा और कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न चरम पर है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हार दिलवाने वाले और हार के सबसे बड़े जिम्मेदार दीपक बैज खुद तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बने रहेंगे, लेकिन डेढ़ दर्जन जिला कांग्रेस अध्यक्षों को इस हार के जिम्मेदार बताकर बदला जाएगा! ठाकुर ने सवाल किया कि अगर कांग्रेस की हार के जिम्मेदार जिला के अध्यक्ष हैं और उन्हें बदला जा रहा है तो प्रदेश के अध्यक्ष बैज किस मापदंड के तहत कांग्रेस की करारी शिकस्त के लिए जिम्मेदार नहीं माने जा रहे हैं? पूर्व मुख्यमंत्री क्या हार के जिम्मेदार नहीं? ठाकुर ने कटाक्ष किया कि लोकसभा सदस्य और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए भी वह अपना विधानसभा चुनाव तक भाजपा के एक पूर्व मंडल अध्यक्ष से हार जाते हैं और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की गुटबाजी के चलते अपनी टिकट तक नहीं बचा पाते, और अब कांग्रेस की हार के लिए जिला अध्यक्षों पर तोहमत मढने चले हैं! क्या गजब लोकतंत्र है कांग्रेस में।

बघेल ने खोली मोदी की गारंटी की पोल : बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सांसद विजय बघेल ने मोदी की गारंटी की पोल खोल दी है। भाजपा सरकार ने हर वर्ग के साथ वादाखिलाफी किया है, हर वर्ग सरकार से नाराज है, 9 महीने में ही सरकार अलोकप्रिय हो चुकी है। विजय बघेल ने अपनी सरकार को चुनावी वादा याद दिलाते हुए कहा कि मोदी की गारंटी के नाम से शासकीय कर्मचारियों से जो वादा किया गया था वह अब तक पूरा नहीं हुआ है, सरकार में बैठे लोगों को आईना दिखाया है। और चेतावनी भी दी है वादा पूरा नहीं होने के कारण वो कर्मचारियों के साथ खड़े है। दीपक बैज ने कहा कि मोदी के गारंटी अब प्रदेश की जनता के लिए धोखा साबित हुआ है। महतारी वंदन योजना में प्रदेश के सभी महिलाओं को लाभ नहीं मिल रहे, युवाओं को सरकारी नौकरी का अवसर नहीं मिल रहा है। 500 रु में रसोई गैस देने का वादा भी अधूरा है। 57000 शिक्षकों की भर्ती का वादा भी झूठा निकला, पुलिस विभाग, वन विभाग में छटनी की जा रही है। अनियमित कर्मचारियों को 100 दिन में नियमित करने का वादा किया गया था उसके लिए अब सिर्फ कमेटी बनाई गई है। डबल इंजन में जो विकास होने का दावा किया गया था सड़कों में गड्ढे दिख रहे हैं, स्कूल के बिल्डिंग के गिर रही है, सरकार पर कर्ज भार बढ़ गया है, सभी किसानों से 3100 रु क्विंटल दर पर धान की खरीदी नहीं की गई है। पूर्ववर्ती सरकार के दौरान चलने वाली सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

चक्रधर समारोह आज से शुरू होगा सांस्कृतिक महाकुंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 07 सितंबर को शाम 5.30 बजे रायगढ़ के रामलीला मैदान में आयोजित 39वें चक्रधर समारोह-2024 का शुभारंभ करेंगे। यह समारोह अगले 10 दिनों तक कला और संस्कृति की नगरी रायगढ़ सांस्कृतिक रस में सराबोर रहेगी। देश के ख्यातिनाम कलाकार कार्यक्रम देने रायगढ़ पहुंचेंगे। पहले दिन प्रख्यात अभिनेत्री और शास्त्रीय नृत्यांगना पद्मश्री हेमा मालिनी प्रसिद्ध राधा रास बिहारी का मंचन करेंगी। समारोह का शुभारंभ श्री गणेश पूजन, दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से होगा। जिसके पश्चात रायगढ़ कथक घराने के वरिष्ठ कलाकार तथा इस वर्ष पद्मश्री से नवाजे गए श्री रामलाल जी को कथक घुंघरू सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। जिसके बाद श्री भूपेंद्र बरेठ और साथी कलाकारों द्वारा कथक समूह नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके पश्चात दर्शकों को छत्तीसगढ़ की माटी के लोक विधा करमा नृत्य का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। जशपुर के श्री मनियर भगत एवं साथी के द्वारा करमा नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के अंत में पद्मश्री हेमा मालिनी राधा रास बिहारी नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देंगी। चक्रधर समारोह के 10 दिवसीय आयोजन में स्थानीय कलाकारों से लेकर राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के कुल 62 इवेंट आयोजित हैं।

विस अध्यक्ष के प्रयास से खिलाड़ियों के लिये हुई स्थाई व्यवस्था

रायपुर। राजनांदगांव के विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के समर्पण और नेतृत्व में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिसमें स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया की शाखा को कामठी लाइन से स्थानांतरित कर दिग्विजय स्टेडियम परिसर में स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप, स्थानीय निवासियों और खिलाड़ियों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ सहजता से प्राप्त होगा, और स्टेडियम के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। इस शाखा के लिए 5000 वर्ग फुट जमीन और पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके लिए हर माह ?3,10,000 का किराया दिग्विजय स्टेडियम समिति को प्रदान किया जाएगा। इस राशि का उपयोग स्टेडियम में बुनियादी ढांचे के विस्तार, नई सुविधाओं के निर्माण और खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण व आवश्यक संसाधनों की सुविधा प्राप्त कराने में किया जाएगा। इस पर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि, यह कदम राजनांदगांव में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक बड़ा अवसर है।

इन्द्रावती टायगर रिजर्व के कोर के विस्थापन हेतु तिथि में संशोधन

रायपुर। इन्द्रावती टायगर रिजर्व के कोर क्षेत्र के अंतर्गत 76 ग्राम आते है जिसमें से प्रथम चरण में 21 ग्रामों को चयन किया गया है। उक्त 21 ग्रामों के स्वेच्छापूर्वक विस्थापित चाहने वाले परिवारों को शासन के विस्थापन योजना का लाभ पहुंचाने एवं बाघ प्रबंधन की संरक्षण व संवर्धन हेतु ग्रामवार सर्वे करने एवं ग्रामवासी को आवेदन प्रस्तुत करने हेतु तिथि 23 अगस्त 2024 तय किया गया था तथा तिथि को संशोधित कर 01 सितम्बर 2025 तक किया गया है। उक्त तिथि 01 सितम्बर 2025 तक व्यस्क व्यक्ति जिसका आयु 18 वर्ष पूर्ण हो निर्धारण करने हेतु तय किया गया है। उक्त ग्राम में रहने वाले ग्रामवासी अपने स्वेच्छानुसार विस्थापन नहीं होते हैं तो शासन को किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं होगी।

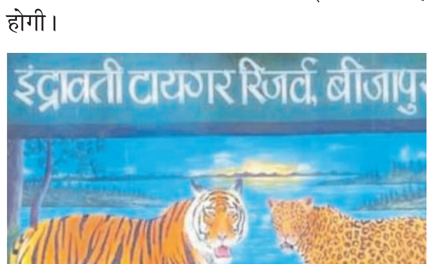

वन भूमि पर हो रहा था निर्माण कार्य, कोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने वन भूमि पर कराए जा रहे गैर वानिकी निर्माण पर रोक लगा दिया है और यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने केंद्र और राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल सारंगढ़ जिले के ग्राम पंचायत सिंघानपुर में सरपंच के माध्यम से वन भूमि पर राज्य शासन की ओर से सार्वजनिक उपयोग के लिए निर्माण कार्य कराया जा रहा था। यह भूमि अभिलेख में छोटे झाड़ के जंगल के रूप में दर्ज है। गांव की निवासी जानकी निराला ने इस निर्माण के विरुद्ध तहसीलदार के समक्ष शिक़ायत करते हुए बताया कि इस निर्माण से वन भूमि को परिवर्तित किया जा रहा है। तहसीलदार ने मौका जांच कराने के बाद पाया कि निर्माण कार्य वन भूमि पर किया जा रहा है। इसके बाद भी इस पर रोक के लिए प्रस्तुत आवेदन तहसीलदार और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने खारिज कर दिया। इसे लेकर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका लगाई, जिसमें बताया गया कि वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अनुसार केवल केंद्रीय सरकार की अनुमति से ही वन भूमि पर गैर वानिकी निर्माण कार्य किया जा सकता है। वन भूमि का गैर वानिकी परिवर्तन दंडनीय अपराध है। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र और राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है और निर्माण कार्य पर रोक लगाते हुए सभी पक्षों को यथास्थिति बनाए रखने का आदेश कहा है।

वसूलीबाज पुलिसकर्मियों को आईजी ने दिखाया बाहर का रास्ता

बेमेतरा। दुर्ग रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग ने आज बेमेतरा के परपोडी थाना प्रभारी समेत 4 स्टाफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। वही बेमेतरा एसपी को जांच कार्रवाई कर जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देशित किया है। निलंबित किए थाना प्रभारी प्रमोद शर्मा सहित तीन पुलिसकर्मियों पर साइबर ठगी के मामले में प्रार्थी से पैसे मांग की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। दुर्ग रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग ने बताया कि साइबर ठगी के मामले में पुलिसकर्मियों ने शिकायतकर्ता से पैसे की मांग की थी। शिकायतकर्ता जब आवेदन और साक्ष्य प्रस्तुत किया तो जांच पर मामला सही पाए जाने पर बेमेतरा के परपोडी थाना प्रभारी सहित दो प्रधान आरक्षक सहित एक आरक्षक को सस्पेंड किया गया। इसमें परपोड़ी थाना प्रभारी प्रमोद शर्मा, प्रधान आरक्षक शिवराज सिंह राजपूत, आरक्षक तुकाराम निषाद और साइबर सेल में पदस्थ प्रधान आरक्षक मोहित चेलक को निलंबित किया है। आईजी रामगोपाल गर्ग ने दुर्ग, बालोद और बेमेतरा में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि प्रार्थियो को न्याय दिलाने और अनुशासन में रहकर कार्य करें न की किसी प्रार्थी को परेशान करें। परेशान करने वाले के खिलाफ शिकायत आने पर कार्रवाई की जाएगी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह 2024 का हुआ आयोजन

बच्चों को जीवन में आगे बढ़ाने में शिक्षकों का होता है महत्वपूर्ण योगदान : लक्ष्मी

रायपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री और सक्ती जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य और सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा कमलेश जांगड़े की अध्यक्षता में आज सक्ती जिले के हटरी धर्मशाला में जिला स्तरीय मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह 2024 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले में सेवानिवृत्त शिक्षकों, शत-प्रतिशत वार्षिक परीक्षा परिणाम दिलाने वाले प्राचार्यों तथा जिले में शिक्षा प्रदान करने वाले विभिन्न शिक्षकों को बेहतर कार्य करने के लिए शिक्षादूत पुरुस्कार और ज्ञानदीप पुरुस्कार से मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद कमलेश जांगड़े सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों द्वारा शाल, श्रीफल और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सभी को शिक्षक दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बच्चों को जीवन में आगे बढ़ाने और सही राह दिखाने में शिक्षकों का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही वे मार्गदर्शक होते हैं, जो हमें सही दिशा दिखाते हैं और हमारे ज्ञान को बढ़ाने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि जो शिक्षक छात्र-छात्राओं को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने का काम करते है। ऐसे शिक्षकों सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छा ज्ञान देंगे तो एक अच्छे समाज का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि कोई भी विद्यार्थी किसी अच्छे मुकाम पर अपने शिक्षक के बदौलत ही पहुँच पाते हैं। इसलिए शिक्षकों का जीवन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी क्रम में सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु के बिना ज्ञान नहीं मिलता। एक शिक्षक के पढ़ाने के बाद ही कोई विद्यार्थी ही कलेक्टर, एसपी, मंत्री, सांसद, जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी, बिजनेसमैन सहित अन्य मुकाम पर पहुँचता है। उन्होंने सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है।

पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी का किया भाण्डा फोड़

तस्करी करते हुए पांच आरोपी गिरफ्तार, सप्लाई के प्रमुख सरगना तक जुड़े तार

रायपुर । 5 सितंबर को दोपहर 2.20 बजे मुखबीर से सूचना मिली कि पिन्टू कुमार साहनी जो कि ओड़िशा से अवैध रूप से अवैध धन लाभ करने हेतु गांजा जैसे मादक पदार्थ लाकर जी. सरोजनी के मकान के पास एक अन्य मकान गणेश मंदिर के पास बालाजी नगर खुर्सीपार में लाकर रखा है और पिन्टू नामक लड़का जिसकी हाईट छोटी है और वह नीला कलर का लोवर, जिसमें सफेद रंग का पटटी है और भूरा कलर का टी-शर्ट पहना है, जो उक्त गांजा की रखवाली कर गांजा को अवैध रूप से गांजा बिक्री पिन्टू कुमार साहनी एवं जी. सरोजनी दोनों मिलकर कर रहे है। जिसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग श्री राम गोपाल गर्ग के निर्देशन पर पुलिस अधीक्षक दुर्ग श्री जितेन्द्र शुक्ला के मार्गदर्शन पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करने आदेश प्राप्त होने पश्चात उप निरीक्षक युवराज साहू, हमराह हर्ष देवांगन, अमन शर्मा एवं वैशाली नगर के महिला आरक्षक ममता वासनीक, महिला आरक्षक श्रेया राजपूत एवं गवाहों के साथ समस्त आवश्यक किट सामाग्री सील चपडा सहित तस्दीक एवं वैधानिक कार्यवाही हेतु गणेश मंदिर के पास बालाजी नगर खुर्सीपार पहुंचकर रेड कार्यवाही किये। मौके पर उपस्थित महिला एवं पुरूष से पूछताछ करने पर अपना नाम 1. जी. सरोजनी 2.पिन्टू कुमार साहनीं मिले।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.